महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 299 | उज्जैन, शनिवार 11 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

'सुंदरता' हमेशा अच्छी नहीं होती लेकिन,' अच्छाई' हमेशा सुंदर होती है

नक्सल उन्मूलन के बाद बालाघाट जिले में तेज करें विकास की गति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बालाघाट में आगामी माह होगा जनजातीय महोत्सव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन के बाद विकास की गति को और तेज किया जाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा दिए गए निर्देश एवं प्रचार की गई कार्य योजना के फलस्वरूप प्रदेश से नक्सल तत्वों पर पूर्ण नियंत्रण में सफलता मिली है। नक्सलवाद की समस्या से बरसों प्रभावित रहे बालाघाट जिले सहित अन्य प्रभावित स्थानों पर अब तीव्र गति से कार्य करने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश सरकार विकास कार्यों की गति तेज करने को प्राथमिकता दे रही है। जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को भी विभिन्न महोत्सवों से मंच देने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को समत्व भवन में आगामी माह बालाघाट में होने वाले जनजातीय महोत्सव के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव आदि बैठक में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय महोत्सव में सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ ही विभिन्न विभाग स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिविर आयोजित करें। धरती आबा अभियान में हितग्राहियों को लाभान्वित करने और स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षेत्र में मेगा स्वास्थ्य शिविर और सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य किया जाए। शिक्षा सुविधाओं के विस्तार, महिलाओं और बच्चों के कल्याण, रोजगार प्रदान करने, दिव्यांग नागरिकों को हित लाभ प्रदान करने और पूर्व वर्षों में नक्सल गतिविधियों के कारण प्रभावित हुए परिवारों की आवश्यक सहायता के लिए कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ÷एक बगिया मां के नाम÷ कार्यक्रम अंतर्गत गतिविधियों के आयोजन, आराधना स्थलों पर सुविधाओं के विकास के कार्य भी किए जाएं।

जनजातीय संस्कृति विशेषकर बैगा समुदाय से जुड़े लोक नृत्यों, खेतों में बोवनी के कार्य से पूर्व आयोजित किए जाने वाले बिदरी, बीज पंडूम और बड़ा देव पूजा के कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। महोत्सव में जनजातीय संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बोरा दौड़, मटका रेस, तीरंदाजी स्पर्धाएं भी होंगी।

बैगा महिलाओं की विशिष्ट गोदाना कला के प्रदर्शन और कार्यशाला के साथ कोदो कुटकी और महुआ आदि से बने पारम्परिक व्यंजनों के फूड स्टॉल भी लगाए जाएंगे। पारम्परिक जड़ी-बूटियों की जानकारों और औषधीय ज्ञान रखने वालों का सम्मेलन भी प्रस्तावित है। स्व-सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। बालाघाट के साथ ही निकटवर्ती जिलों और छत्तीसगढ़ से भी जनजातीय समाज इस महोत्सव में भागीदारी करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय महोत्सव में होने जाने वाली गतिविधियों और विभागों की सहभागिता की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि जनजातीय महोत्सव में स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, वन, महिला एवं बाल विकास, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास एवं रोजगार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम, सहकारिता, संस्कृति, पर्यटन, खनिज साधन, गृह और जनसम्पर्क विभाग द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में खुलेगी पहली वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी, अनंत अंबानी ने किया शिलान्यास

नई दिल्ली/ जीएनएस। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी की ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन आर्गनाइजेशन, वनतारा ने गुजरात के जामनगर में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी। विवि का शिलान्यास इस उद्देश्य से किया गया है कि यहां संचालित पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्यपूर्ण और भविष्योन्मुखी माडल तैयार करेंगे। वनतारा विश्वविद्यालय के शिलान्यास को लेकर अनंत अंबानी ने कहा- %संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं।वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की। हिंदू परंपरा के अनुसार आयोजित इस शिलान्यास समारोह में शिक्षा, विज्ञान, संरक्षण और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए। वनतारा यूनिवर्सिटी में वनतारा के जमीनी अनुभवों को अकादमिक कार्यक्रमों, पेशेवर प्रशिक्षण और वैश्विक स्तर पर उपयोगी शिक्षा ढांचे में बदला जाएगा। दावा किया गया है कि करुणा, विज्ञान और संरक्षण के समन्वय के माध्यम से यह संस्थान ऐसे पेशेवर तैयार करेगा, जो वन्यजीव और पारिस्थितिकी से जुड़ी जटिल चुनौतियों का समाधान कर सकें। अलग-अलग विषयों में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

भारतीय सेना ने पोखरण में किया सैन्य अभ्यास ब्रह्मास्त्र, अपाचे हेलीकॉप्टर का दिखा लाइव फायरपावर डेमो

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना ने अभ्यास ब्रह्मास्त्र के दौरान राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अपनी अत्याधुनिक युद्ध क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इस अभ्यास की सबसे बड़ी खासियत॔ ॥-64श्च अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का अब तक का पहला लाइव फायरपावर डेमो था। हेलीकॉप्टरों ने हेलफायर मिसाइलें, रॉकेट्स और 30mm तोप से सटीक हमले कर अपनी घातक क्षमता दिखाई। सेना को अपना पहला अपाचे हेलीकॉप्टर जुलाई 2025 में मिला था। इस अभ्यास के दौरान अपाचे हेलीकॉप्टरों ने अत्यधिक खतरनाक माहौल में जमीनी सैनिकों के साथ समन्वय बनाकर काम करने की अपनी क्षमता साबित की। सेना ने अब इन अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात कर दिया है। ये 451 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन का हिस्सा हैं। अपाचे को दुनिया का सबसे उन्नत अटैक हेलीकॉप्टर माना जाता है। अपाचे हेलीकॉप्टर ने अभ्यास में तेजी से लक्ष्य पहचानने और सटीक हमला करने की शानदार क्षमता दिखाई। इसके उन्नत सेंसर, फायर कंट्रोल सिस्टम और रियल-टाइम डेटा लिंक ने युद्धक्षेत्र की जानकारी को तुरंत प्रभावी हमलों में बदल दिया। अपाचे अपने साथ युद्ध-प्रमाणित हेलफायर एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलें ले जाता है, जिनकी मारक क्षमता 11 किलोमीटर तक है। यह छोटी दूरी की हवाई रक्षा प्रणालियों से सुरक्षित लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। साथ ही, यह स्पाइक॔ ञ्जत्तरू के नॉन-लाइन-ऑफ-साइट संस्करण का भी इस्तेमाल कर सकता है। एंटी-टैंक हथियारों के अलावा अपाचे स्टिंगर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का भी समर्थन करता है। इसमें 4 पॉड तक लगाए जा सकते हैं, जिनमें से हर पॉड में 19 रॉकेट (70mm) होते हैं।

सबका मालिक एक- ऑपरेशन सिंदूर क नमाज कनेक्शन, सेना प्रमुख का खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि इस सैन्य कार्रवाई की योजना बनाते समय सिर्फ निशाने ही नहीं, बल्कि हमले का समय भी बहुत सोच-समझकर तय किया गया था, ताकि आम लोगों और धार्मिक गतिविधियों को नुकसान न पहुंचे।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान सेना के पास किसी भी समय हमला करने का विकल्प था, चाहे रात के 2 बजे हो या 4 बजे। लेकिन सेना ने जानबूझकर ऐसे समय पर हमला नहीं किया, जब दूसरी तरफ लोग नमाज पढ़ रहे हों। उन्होंने कहा कि यह फैसला इस सोच के साथ लिया गया कि सबका मालिक एक है, इसलिए ऐसे समय का चयन किया गया जब धार्मिक गतिविधियां न चल रही हों। यह ऑपरेशन मई 2025 में किया गया था, जो अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से तनाव बढ़ गया था। पाकिस्तान ने ड्रोन हमले और गोलाबारी शुरू कर दी थी। करीब एक हफ्ते तक पाकिस्तान की ओर से ड्रोन भेजे गए, जिसे भारतीय सेना ने हवा में ही मार गिराया। आखिरकार 10 मई 2025 को दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और जमीन, हवा और समुद्र में सभी सैन्य गतिविधियां रोकने पर सहमति बनी।

सेना प्रमुख ने बेंगलुरु में रण संवाद कार्यक्रम के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आधुनिक युद्ध का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में केवल सैन्य कार्रवाई ही नहीं, बल्कि सूचना युद्ध भी अहम हिस्सा था। कुल प्रयास का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा गलत सूचनाओं को रोकने में लगाया गया। ऑपरेशन के बाद सेना ने सूचना युद्ध और मनोवैज्ञानिक रक्षा के लिए नई व्यवस्थाएं भी शुरू की हैं।

सबरीमाला घी घोटाले की जांच पूरी करने के लिए VACB को मिला अतिरिक्त समय

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल हाई कोर्ट ने आदिया सिष्टम घी की बिक्री से संबंधित टीडीबी कर्मचारियों द्वारा धन के दुरुपयोग की जांच को पूरा करने के लिए सतर्कता ब्यूरो को 30 दिन का अतिरिक्त समय दिया है। यह घी भगवान अयप्पा के मंदिर में भक्तों को बेचा जाता है।

टीडीबी के नौ और कर्मचारियों पर संदेह- जस्टिस राजा विजयाराघवन वी और केवी जयकुमार की पीठ ने यह अतिरिक्त समय तब दिया जब सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) ने अदालत को सूचित किया कि त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के नौ और कर्मचारियों के इस घोटाले में शामिल होने का संदेह है और उनकी भूमिकाओं की जांच की जानी है। ब्यूरो ने पहले घी की बिक्री से धन के कथित दुरुपयोग के संबंध में 33 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी।

बंगाल की मतदाता सूची फ्रीज करने के खिलाफ विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट, 13 अप्रैल को होगी सुनवाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में आसन्न विधानसभा चुनाव से ऐन पहले चुनाव आयोग की फ्रीज की हुई मतदाता सूची के मुद्दे पर विचार करने का मन बना लिया है। सर्वोच्च अदालत ने बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले चुनाव आयोग द्वारा फ्रीज की हुई चुनावी सूची के खिलाफ एक नई याचिका को सुनने के लिए 13 अप्रैल की तारीख तय की है।

बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई आर) के बाद चुनाव आयोग ने विगत 9 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होने वाले विधानसभा सीटों के लिए चुनावी सूची को फ्रीज और अंतिम रूप दिया है। चुनावी सूची के फ्रीज होने का अर्थ है कि सूची से हटाया जा चुका कोई नया व्यक्ति इस विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची में नहीं जोड़ा जा सकता। मतगणना 4 मई को होनी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीशों जायमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने शुक्रवार को एक वकील से फ्रीज के खिलाफ याचिका को तात्कालिकता के आधार पर उठाने का अनुरोध किया। वकील ने कहा कि चुनावी सूची से हटाए गए लोगों के खिलाफ कई अपीलें अभी भी लंबित हैं और चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को सूची को फ्रीज कर दिया है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम 13 अप्रैल को याचिका पर विचार करेंगे। चुनाव आयोग के लिए उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने कहा कि फ्रीज करने की तारीख 9 अप्रैल थी और उसके बाद किसी को भी विचार नहीं किया जाएगा। नायडू ने कहा, मत देने का अधिकार बना रहता है, ये अपीलकर्ता अन्य लोगों की तरह ही हैं जिनकी अपीलें स्वीकार की गई थीं।

स पर जस्टिस बागची ने कहा, क्या था इसका ढांचा.. हम सोच रहे हैं। चुनाव के संदर्भ में एक कटआफ लाइन है और इसके पीछे एक संवैधानिक अधिकार है कि आप चुनावी सूची में हों और आगे के चुनावों में वोट दें। यह बहुत ऊंचा और स्थायी है।

पवन खेड़ा को बड़ी राहतः तेलंगाना हाईकोर्ट से एक हफ्ते की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें असम में दर्ज मामले में एक हफ्ते की अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी है। जस्टिस सुजाना ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता को संबंधित अदालत में अपील करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाता है और तब तक गिरफ्तारी से राहत दी जाती है।

दरअसल, खेड़ा ने सात अप्रैल को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गिरफ्तारी की स्थिति में राहत की मांग की थी। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब पवन खेड़ा ने पांच अप्रैल को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भूयान सरमा पर कई पासपोर्ट और विदेशी संपत्ति होने का आरोप लगाया।

सुनवाई के दौरान कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया और कहा कि केस दर्ज होने के समय खेड़ा हैदराबाद में थे।

वहीं असम सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल देवजीत सैकिया ने दलील दी कि मामला पूरी तरह वैध है और इसमें कोई राजनीतिक दुर्भावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता एक महिला हैं और राजनीतिक व्यक्ति नहीं, इसलिए आरोपों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

असम, केरलम और पुडुचेरी में मतदान में आगे रहीं महिलाएं, तीनों राज्यों में 80 से ऊपर रहा वोटिंग परसेंट

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के लोकतंत्र ने एक बार फिर वह तस्वीर दिखाई है, जो न केवल गर्व से भर देती है बल्कि समाज की बदलती सोच को भी उजागर करती है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार असम, केरलम और पुडुचेरी में महिलाओं ने मतदान प्रतिशत के मामले में पुरुषों को पीछे छोड़ दिया और नया इतिहास रच दिया।

केरलम में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 81.19 प्रतिशत रहा, जो 1987 के 80.58 प्रतिशत के पुराने रिकार्ड को पार कर गया। वहीं असम में महिलाओं की जबरदस्त भागीदारी ने 86.50 प्रतिशत का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जो 2016 के 84.67 प्रतिशत के रिकार्ड से आगे निकल गया। पुडुचेरी में तो महिलाओं ने 91.40 प्रतिशत मतदान कर एक नया इतिहास ही लिख दिया, जो 2011 के 86.97 फीसदी से कहीं अधिक है।वहीं, पुरुषों के आंकड़ों पर नजर डालें तो केरलम में पुरुष मतदान 75.19 फीसदी रहा, जबकि असम में 85.33 फीसदी और पुडुचेरी में 88.13 फीसदी मतदान दर्ज हुआ।

लेकिन हर जगह महिलाओं की भागीदारी ने इन आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया, जो एक बड़ा संकेत है कि अब लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल संख्या नहीं, बल्कि नेतृत्व की दिशा तय कर रही है।

चीन बनेगा भारत का बड़ा निर्यात बाजार, 38 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन भारतीय निर्यात का बड़ा बाजार बन सकता है। कैमरून में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व चीन के वाणिज्य मंत्री वैंग वेंटो की विशेष मुलाकात के बाद चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों में नई गर्माहट की उम्मीद की जा रही है।

अभी अमेरिका में भारत सबसे अधिक निर्यात करता है और दूसरा स्थान यूएई का है। लेकिन चीन होने वाले निर्यात में गत वित्त वर्ष 2025-26 में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-फरवरी में अमेरिका होने वाले निर्यात में पूर्व के वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि के मुकाबले चार प्रतिशत, यूएई के निर्यात में नौ प्रतिशत तो चीन होने वाले निर्यात में 38 प्रतिशत का इजाफा रहा। हालांकि भारत चीन से सबसे अधिक आयात करता है। वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-फरवरी में भारत ने चीन से 119 अरब डॉलर का आयात किया जो पूर्व के वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में भारत ने चीन में 17 अरब डालर का निर्यात किया। यानी कि चीन से हमारा व्यापार घाटा 11 माह में ही 102 अरब डालर पहुंच गया।

गोयल ने बताया कि करीब सात साल के बाद भारत और चीन के वाणिज्य मंत्री की मुलाकात हुई। गोयल ने बताया कि कैमरून में होने वाली विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक की साइडलाइन में हुई मुलाकात में भारत ने चीन के समक्ष व्यापार घाटे के मुद्दे को उठाते हुए दोनों देशों के बीच संतुलित व्यापार की मांग की। फार्मा व इंजीनियरिंग वस्तुओं के लिए चीन को अपने दरवाजे खोलने के लिए भी कहा गया।

विभिन्न टेक्निकल अड़चनों की वजह से दवा के साथ कई खाद्य वस्तुओं का चीन में निर्यात नहीं हो पा रहा है। भारत ने चीन से इन अड़चनों को दूर करने के लिए कहा। हाल ही में भारत ने भी चीन की कंपनियों से जुड़े निवेश के नियम में बदलाव किया है जिसके तहत चीन की कंपनियां अब भारतीय कंपनियों में 10 प्रतिशत तक का निवेश बिना सरकारी इजाजत के कर सकेंगी।

भारत ने बाजार पहुंच की मांग की

जानकारों का कहना है कि चीन की कंपनियों को निवेश की इजाजत देने के साथ सात साल के बाद दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रियों की मुलाकात वैश्विक व्यापार के पटल पर एक नए संकेत है। चीन से होने वाले आयात का आधा भी भारत अगर चीन में निर्यात करने लगे तो भारत का सबसे अधिक व्यापार चीन के साथ हो जाएगा।

विदेश व्यापार विशेषज्ञों का क हना है कि फिलहाल जो वैश्विक हालात है, उसमें चीन भारत की अनदेखी नहीं कर सकता है क्योंकि भारत चीन का बड़ा खरीदार है और भारत से मांग कम होने पर चीन की मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियां प्रभावित होंगी।

वंदे मातरम विवाद पर भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, 85 वार्डों में सामूहिक गान और पुतला दहन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में वंदे मातरम को लेकर उपजे विवाद के बीच भाजपा ने शुक्रवार को शहरभर में बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्षद नेत्रियों द्वारा वंदे मातरम के विरोध के आरोपों के खिलाफ भाजपा ने सभी 85 वार्डों में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गान किया और कांग्रेस के विरोध में पुतला दहन किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में आमजन, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता तिरंगा लेकर शामिल हुए।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने चाणक्यपुरी चौराहे पर सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में वंदे मातरम का सम्मान करती है, तो पार्षद फौजिया शेख अलीम और रुबीना खान को तत्काल पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम के बजट सत्र में इन दोनों पार्षदों ने वंदे मातरम का विरोध किया, जो राष्ट्र की भावनाओं के खिलाफ है।

मिश्रा ने कहा कि वंदे मातरम देश की आत्मा का प्रतीक है और स्वतंत्रता संग्राम में असंख्य क्रांतिकारियों ने इसे गाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केवल बयानबाजी से काम नहीं चलेगा, बल्कि पार्टी को अपने आचरण से यह साबित करना होगा कि वह राष्ट्रगीत के साथ है।

शहर के विभिन्न वार्डों में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सामूहिक वंदे मातरम गान किया गया। चाणक्यपुरी चौराहे सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर कांग्रेस के पुतलों को जूते-चप्पलों से मारने के बाद उनका दहन किया गया। इस दौरान ÷वंदे मातरम÷ के नारे गूंजते रहे।

खजराना क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों ने भी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर वंदे मातरम का सामूहिक गान किया। पूर्व पार्षद उस्मान पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी देखी गई। इसी तरह आजाद नगर और अन्य वार्डों में भी मुस्लिम समाज के लोगों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

पूरे शहर में आयोजित इस अभियान के जरिए भाजपा ने कांग्रेस पर दबाव बनाने के साथ-साथ राष्ट्रवाद के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया।

रिंगरोड योजना 94 में अवैध कब्जों पर बड़ी कार्रवाई, 45 आवास मुक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन्दौर विकास प्राधिकरण ने रिंगरोड स्थित योजना क्रमांक 94 के सेक्टर-एच (मुसाखेड़ी के समीप) में लंबे समय से अनाधिकृत रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए प्राधिकरण के निर्मित आवासीय प्रकोष्ठों को कब्जामुक्त कराया। इस संयुक्त अभियान में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम और प्राधिकरण की टीमों ने मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री परिक्षित झाड़े के अनुसार, आज की कार्रवाई में लगभग 45 प्रकोष्ठों से अवैध कब्जा हटाकर प्राधिकरण ने पुनः अपना कब्जा प्राप्त कर लिया है। योजना में कुल 8 ब्लॉक शामिल हैं, जिनमें से ब्लॉक ई, एफ, जी और एच में यह मुहिम चलाई गई। शेष ब्लॉक ए, बी, सी और डी में भी जल्द इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि ये आवासीय प्रकोष्ठ करीब 12 वर्ष पूर्व बनाए गए थे और उस समय इनका आवंटन भी किया गया था। हालांकि, कुछ कारणों से कई प्रकोष्ठ निरस्त या खाली हो गए थे, जिन पर बाद में अनाधिकृत लोगों ने कब्जा कर लिया। प्राधिकरण द्वारा सर्वे और चिन्हांकन के बाद इन संपत्तियों को मुक्त कराया गया।

इस अभियान के पूरा होने के बाद करीब 80 आवासीय प्रकोष्ठ आवंटन के लिए उपलब्ध हो सकेंगे, जिन्हें पात्र हितग्राहियों को विधिवत दिया जाएगा। साथ ही, भविष्य में इस प्रकार के अवैध कब्जों को रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं और अन्य योजनाओं का भी ऑडिट करने की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई है।

इंदौर में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों का मेला, पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने और उसके पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा गांधी हॉल में विशेष मेले का आयोजन किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में आयोजित इस मेले में नागरिकों को प्लास्टिक के विकल्पों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। मेले का निरीक्षण आयुक्त क्षितिज सिंघल, स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल और अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन कर उनके निर्माण और उपयोग की जानकारी ली। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे संगठनों, संस्थानों और स्व सहायता समूहों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। आयुक्त सिंघल ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है और इंदौर में इसके उपयोग पर प्रतिबंध है, लेकिन कई नागरिकों को इसके विकल्पों की पर्याप्त जानकारी नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस मेले का आयोजन किया गया है, ताकि लोग दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी उत्पादों को अपनाएं।

इंदौर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, 57 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 57.73 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5.80 लाख रुपये बताई जा रही है। साथ ही एक मोबाइल फोन सहित कुल जब्त सामग्री की कीमत लगभग 6 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर में मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा संदिग्धों की तलाश के दौरान पत्थर गोदाम रोड स्थित पशु चिकित्सालय के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसकी गतिविधियां असामान्य लगीं, जिस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे रोककर पूछताछ की।

पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। तलाशी लेने पर उसके पिट्ठू बैग से एक पारदर्शी पन्नी में रखी 57.73 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। आरोपी ने अपना नाम मोहम्मद नूरुद्दीन निवासी सदर बाजार इंदौर बताया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचता था।

रामाश्रय पाण्डेय ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय रेल इंजीनियर्स सेवा के 1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री रामाश्रय पाण्डेय ने शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से पहले वे पूर्व मध्य रेलवे, पटना में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण/दक्षिण) के पद पर कार्यरत थे।

अपने लंबे और उत्कृष्ट सेवा काल में श्री पाण्डेय ने रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए व्यापक अनुभव अर्जित किया है। वे उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में मुख्य इंजीनियर के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा गोरखपुर और समस्तीपुर में उप मुख्य इंजीनियर, रेलवे बोर्ड में सदस्य इंजीनियरिंग के विशेष कार्याधिकारी, निदेशक सतर्कता और हाजीपुर में उप मुख्य सतर्कता अधिकारी जैसे अहम पदों पर भी उन्होंने जिम्मेदारियां निभाई हैं।

श्री पाण्डेय रेल विकास निगम लिमिटेड में ग्रुप जनरल मैनेजर के रूप में भी कार्य कर चुके हैं, जहां उन्होंने कई महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन और क्रियान्वयन किया। उनकी तकनीकी दक्षता और प्रशासनिक क्षमता के कारण उन्हें एक कुशल अधिकारी के रूप में जाना जाता है।

शैक्षणिक रूप से भी वे बेहद सशक्त पृष्ठभूमि रखते हैं। उन्होंने आईआईटी रुड़की से बी.टेक. और आईआईटी दिल्ली से एम.टेक. की डिग्री प्राप्त की है। इसके साथ ही उन्होंने रेल संचालन और आधारभूत संरचना प्रबंधन के क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इटली में ट्रैक रिकॉर्डिंग, सिंगापुर और मलेशिया में एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम, स्पेन में हाई-स्पीड ट्रेन संचालन तथा तुर्की और नॉर्वे में सुरंग निर्माण तकनीकों का प्रशिक्षण उनके अनुभव को और समृद्ध बनाता है।

अपने सौम्य व्यवहार और नेतृत्व क्षमता के चलते वे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनके गतिशील नेतृत्व में पश्चिम रेलवे नई ऊंचाइयों को छुएगा और विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, 1715 चालान कर नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस लगातार सख्त अभियान चला रही है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह व डीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में शहर के चारों जोन में विशेष पेट्रोलिंग और व्हील लॉक कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत यातायात पुलिस ने कुल 1715 नियम उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई की है।

कार्रवाई के दौरान सबसे अधिक 1342 चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर किए गए। इसके अलावा 193 मामलों में गलत पार्किंग, 33 मामलों में वनवे उल्लंघन और 13 मामलों में मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने पर कार्रवाई की गई। अन्य उल्लंघनों पर भी चालानी कार्रवाई करते हुए सैकड़ों वाहनों को नो-पार्किंग क्षेत्रों से हटाया गया।

यातायात पुलिस की पेट्रोलिंग टीमों ने शहर के प्रमुख मार्गों, व्यस्त बाजारों और अधिक यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर अव्यवस्थित पार्किंग और नियम उल्लंघन पर नियंत्रण किया। अन्नपूर्णा रोड, बड़ा गणपति, एयरपोर्ट रोड, इमली बाजार, मेदांता रोड, विजयनगर, 56 दुकान, पलासिया, रीगल, सराफा बाजार, जवाहर मार्ग जैसे क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया।

इस सख्त कार्रवाई और नियमित पेट्रोलिंग का सकारात्मक असर भी देखने को मिल रहा है। प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अवैध पार्किंग में कमी आई है और यातायात का प्रवाह पहले की तुलना में अधिक सुगम हुआ है। साथ ही, पुलिस की लगातार मौजूदगी से वाहन चालक नियमों के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं, जिससे जाम की स्थिति में भी कमी आई है।

यातायात पुलिस द्वारा आम नागरिकों और व्यापारियों को भी नियमित पार्किंग और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि शहर में बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और आने वाले दिनों में और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झोन-6 में आयुक्त का औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर संतोष, वाइन शॉप पर कार्रवाई के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को झोन क्रमांक 6 के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था और वाटर बॉडी की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी लखन शास्त्री सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने बापट चौराहा स्थित वाटर बॉडी का अवलोकन करते हुए उसके रखरखाव, स्वच्छता और जल संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसके साथ ही झोनल कार्यालय के सामने स्थित स्कूल परिसर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर अधिकारियों को नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने कुलकर्णी नगर, पाटनीपुरा और मालवा मिल सहित अन्य क्षेत्रों में भी भ्रमण कर स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया और सभी वार्डों में निरंतर सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। पतरे की चाल स्लम क्षेत्र में सामुदायिक शौचालय (सीटीपीटी) की साफ-सफाई का भी जायजा लिया गया।

क्षेत्र में बेहतर सफाई व्यवस्था से संतुष्ट एक महिला ने आयुक्त का तिलक लगाकर और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया, जिससे नगर निगम की व्यवस्थाओं पर नागरिक संतोष भी देखने को मिला।

लंबित शिकायतों पर सख्त आयुक्त, उपयंत्री का वेतन काटने और एलएंडटी पर जुर्माना लगाने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को सीटी बस सभाकक्ष में जलप्रदाय, सीवरेज, सीएम हेल्पलाइन, इंदौर 311 एप और स्वच्छ सर्वेक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं की झोनवार समीक्षा बैठक ली। बैठक में शहर की जल आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज व्यवस्था और नागरिकों की लंबित शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सभी वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित विभागों के जिम्मेदार उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान इंदौर 311 एप पर दर्ज दूषित पानी की एक शिकायत, जो 50 दिन से अधिक समय से लंबित थी, को गंभीरता से लिया गया। खजराना क्षेत्र की इस शिकायत पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आयुक्त ने बैठक के दौरान ही एल एंड टी कंपनी के प्रतिनिधि से शिकायतकर्ता की फोन पर बात कराई, जिसमें समस्या के निराकरण नहीं होने की पुष्टि हुई। इस पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने प्रभारी उपयंत्री के 15 दिन का वेतन काटने और एल एंड टी कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी समय सीमा में शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें और पानी से संबंधित समस्याओं को एल एंड टी के पोर्टल पर दर्ज कर उनका समाधान प्राथमिकता से करें।

इंदौर में ड्रोन से ट्रैफिक पर नजर, डीसीपी ने दिए बेहतर प्रबंधन के निर्देश

एलआईजी चौराहा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस द्वारा पिक ऑवर्स में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में डीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार त्रिपाठी ने ड्रोन सर्विलेंस के माध्यम से शहर के व्यस्त चौराहों की मॉनिटरिंग की। पलासिया, घंटाघर, गीता भवन तिराहा, इंडस्ट्री हाउस, एलआईजी, रसोमा, विजय नगर और एमआर-9 जैसे प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर प्रबंधन के निर्देश दिए गए। इस दौरान जो यातायात जवान मुस्तैदी और सतर्कता से अपनी ड्यूटी निभाते नजर आए, उन्हें डीसीपी द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

पिक ऑवर्स के दौरान यातायात पुलिस के जवान प्रमुख चौराहों पर तैनात रहकर यातायात संचालन में जुटे रहे। ड्रोन के जरिए निगरानी करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर भी नजर रखी गई और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। विशेष रूप से रेड लाइट पर स्टॉप लाइन का पालन सुनिश्चित कराया गया, साथ ही रॉन्ग साइड वाहन चलाने और मोबाइल फोन पर बात करते हुए ड्राइविंग करने वालों पर सख्ती बरती गई।

यातायात पुलिस द्वारा अनाउंसमेंट के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पैदल यात्रियों को ज़ेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग कर सुरक्षित सड़क पार करने की सलाह दी गई।

यातायात विभाग ने सभी वाहन चालकों और नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, स्टॉप लाइन का उल्लंघन न करें, गलत दिशा में वाहन न चलाएं और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग करें।

रहवासी संगठनों के साथ कलेक्टर-आयुक्त की बैठक, स्वच्छता, फायर सेफ्टी और जल संरक्षण पर जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल की उपस्थिति में रविन्द्र नाट्य गृह में शहर के रहवासी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण, फायर सेफ्टी, जल गंगा संवर्धन, भू-जल पुनर्भरण, विद्युत सुरक्षा, सोलर रूफटॉप और पीएनजी कनेक्शन जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में रहवासी संगठन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से योजनाओं और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की गई। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण और जल संग्रहण की शपथ भी दिलाई गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर के रहवासी संगठन शहर की स्वच्छता और विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आवासीय परिसरों में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम रखने, उनकी नियमित जांच करने और आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयार रहने पर जोर दिया। साथ ही परिसर के प्रवेश और निकास मार्गों को अवरोधमुक्त रखने की आवश्यकता भी बताई, ताकि किसी भी आपदा के समय राहत और बचाव कार्य सुचारू रूप से हो सके।

लंबित शिकायतों पर सख्त आयुक्त, उपयंत्री का वेतन काटने और एलएंडटी पर जुर्माना लगाने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को सीटी बस सभाकक्ष में जलप्रदाय, सीवरेज, सीएम हेल्पलाइन, इंदौर 311 एप और स्वच्छ सर्वेक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं की झोनवार समीक्षा बैठक ली। बैठक में शहर की जल आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज व्यवस्था और नागरिकों की लंबित शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सभी वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित विभागों के जिम्मेदार उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान इंदौर 311 एप पर दर्ज दूषित पानी की एक शिकायत, जो 50 दिन से अधिक समय से लंबित थी, को गंभीरता से लिया गया। खजराना क्षेत्र की इस शिकायत पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आयुक्त ने बैठक के दौरान ही एल एंड टी कंपनी के प्रतिनिधि से शिकायतकर्ता की फोन पर बात कराई, जिसमें समस्या के निराकरण नहीं होने की पुष्टि हुई। इस पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने प्रभारी उपयंत्री के 15 दिन का वेतन काटने और एल एंड टी कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी समय सीमा में शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें और पानी से संबंधित समस्याओं को एल एंड टी के पोर्टल पर दर्ज कर उनका समाधान प्राथमिकता से करें। उन्होंने आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारियों को सुबह फील्ड में रहकर निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार कार्य करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में शहर के शासकीय और अशासकीय स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी स्कूलों में साफ-सफाई, पानी, प्रकाश व्यवस्था, प्रत्येक कक्षा में डस्टबिन, हैंडवॉश की सुविधा और बालिकाओं के लिए सेनेटरी वेस्ट डस्टबिन अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

संयोगितागंज पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, 36 बाइक जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के थाना संयोगितागंज पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 36 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-3 राजेश व्यास और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामस्नेही मिश्र के मार्गदर्शन में तथा सहायक पुलिस आयुक्त तुषार सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी के.पी.एस. यादव और उनकी टीम ने यह सफलता हासिल की।

कार्रवाई के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गुरुवारिया हाट के पास तीन संदिग्ध व्यक्ति चोरी के वाहनों के साथ मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनवर उर्फ अन्नू शाह, जीवन वर्मा और विशाल खरे के रूप में हुई। प्रारंभिक कार्रवाई में उनके पास से तीन मोटरसाइकिलें जब्त की गईं।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे इंदौर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अलावा भोपाल, महू, पीथमपुर और महाराष्ट्र सहित अन्य स्थानों से वाहन चोरी करते थे। मुख्य आरोपी अनवर उर्फ अन्नू शाह ने चोरी के वाहन अपने साथियों जीवन वर्मा और विशाल खरे को बेचने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने यह भी बताया कि चोरी के वाहन राजगढ़ जिले के विभिन्न गांवों में छिपाकर रखे गए हैं।

पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर राजगढ़ जिले के मंडला, वीरम पिपलिया और मुंडला बारोल गांवों में दबिश देकर कुल 36 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इनमें से 20 वाहन अनवर शाह, 10 जीवन वर्मा और 6 विशाल खरे की निशानदेही से जब्त किए गए।

मुख्य आरोपी अनवर उर्फ अन्नू शाह के खिलाफ मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में पहले से ही 46 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अन्य आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। मामले में आगे की पूछताछ जारी है और संभावना जताई जा रही है कि गिरोह से जुड़े अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है।

इस कार्रवाई में थाना संयोगितागंज और छोटी ग्वालटोली पुलिस की टीम के कई अधिकारियों और जवानों की सराहनीय भूमिका रही।

यूजीसी की विरोध में राजपूत सिंह सभा ने स्वर्ण समाज के साथ ज्ञापन दिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजपूत सिंह सभा के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह परिहार ने बताया कि विगत दिनों भारत सरकार द्वारा यूजीसी का काला कानून लाया गया है, जिसमें सवर्ण समाज के छात्रों के लिए दमनकारी नीतियां और नियम बनाए गए हैं। इस कानून में प्रावधान किया गया है कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान में सवर्ण छात्र के विरुद्ध झूठी या बेबुनियाद शिकायत होने पर, छात्र को यह जानने का भी हक नहीं होगा कि उसके विरुद्ध शिकायत किसने की है। इस प्रावधान से सवर्ण समाज के बच्चों का भविष्य अंधकार में है।

इस कानून के विरोध में पूरे भारत में विभिन्न संगठनों द्वारा इसे वापस लेने के लिए लगातार धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में, राजपूत सिंह सभा जिला मंदसौर के साथ ब्राह्मण समाज, माहेश्वरी समाज, दशपुर जागृति संगठन, जिला राजपूत समाज संगठन एवं अन्य सवर्ण समाज संगठनों के पदाधिकारियों ने मंदसौर कोर्ट परिसर से जुलूस निकाला। नारेबाजी करते हुए और 'यूजीसी काला कानून वापस लो', 'भारत माता की जय' तथा 'अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है' के नारों के साथ प्रदर्शनकारी एसडीएम कार्यालय पहुंचे। वहां माननीय प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर मंदसौर के प्रतिनिधि तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन राजपूत सिंह सभा के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह परिहार द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजपूत सिंह सभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता विजेंद्र सिंह चौहान, राघवेंद्र सिंह तोमर (एडवोकेट), जोगेंद्र सिंह तोमर (एडवोकेट), राजेश सिंह भदौरिया (एडवोकेट), शेर सिंह पंवार (एडवोकेट), शिव शंकर सिंह तोमर, हरि शंकर शर्मा (संयोजक, सनाढ्य ब्राह्मण समाज), बालू सिंह सिसौदिया (उपाध्यक्ष, दशपुर जागृति संगठन), भूपेंद्र सिंह भाटी (सचिव, जिला राजपूत समाज संगठन) और पुष्पा राठौड़ (महिला सदस्य, राजपूत सिंह सभा), सुनील कुमार शर्मा (एडवोकेट), विनोद जाट (स्नेह नगर), गोपाल राजावत, हरनाथ सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह तोमर, महेश बंकट सोमानी (अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज), गोपाल पसारी (सचिव, माहेश्वरी समाज), बाबूलाल डागा (उपाध्यक्ष, माहेश्वरी समाज), अभिषेक, सौरभ कुमार सिंह, गजराज सिंह चौहान और लोकेंद्र सिंह चौहान सहित राजपूत सिंह सभा व सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

सीतामऊ रोड पर सड़क दुर्घटनाओं एवं जनहानि को लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ अवधेश प्रताप सिंह 10 अप्रैल शुक्रवार को मंदसौर दौरे पर आयें। इस दौरान सर्किट हाउस पर संजीवनी मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं समाजसेवी डॉ. लाल बहादुर गुड्डू भैया, सूर्य नगर अफजलपुर ने सीतामऊ रोड को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। गुड्डू भैया ने मन्दसौर जिले के मन्दसौर-सीतामऊ मार्ग की दयनीय स्थिति और वहां प्रतिदिन हो रहे भीषण सड़क हादसों के बारे में बताते हुए कहा कि मार्ग की वर्तमान स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। आए दिन हो रही दुर्घटनाओं के कारण कई निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं और कई गंभीर रूप से घायल होकर अपंगता का शिकार हो रहे हैं। इन हादसों के मुख्य कारणों में मार्ग पर कई खतरनाक मोड़ हैं जहाँ न तो रेडियम संकेतक हैं और न ही पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था। सड़क के किनारों पर अतिक्रमण और क्षमता से अधिक भारी वाहनों के दबाव के कारण आवागमन असुरक्षित हो गया है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग को बार-बार सूचित करने के

बावजूद सुरक्षा मानकों में सुधार हेतु कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। गुड्डू भैया ने मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष से कहा कि सुरक्षित आवागमन प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है और प्रशासन की लापरवाही के कारण हो रही ये मौतें मानव अधिकारों का सीधा उल्लंघन हैं। अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है किः इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को मार्ग के तत्काल चौड़ीकरण और मरम्मत के निर्देश दिए जाएं। हादसों वाले संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर वहां आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए ताकि भविष्य में बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सके।

अधिवक्ता राजेंद्र सिंह सूर्यवंशी ने नामांकन दाखिल किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के आगामी 12 मई को होने वाले चुनाव हेतु जबलपुर में चुनाव अधिकारी न्यायमूर्ति एस. के. पालो के समक्ष अधिवक्ता साथियों की मौजूदगी में उपस्थित होकर अधिवक्ता राजेंद्र सिंह सूर्यवंशी द्वारा विधिवत नामांकन पत्र दाखिल किया। अधिवक्ता श्री सूर्यवंशी ने बताया कि प्रदेश के अधिवक्ताओं के सम्मान, अधिकारों और उनके हितों की इस महत्वपूर्ण लड़ाई में आप सभी साथियों का जो स्नेह, समर्थन और विश्वास प्राप्त हो रहा है, इस निर्वाचन में आपके अमूल्य वोट रूपी मतदान की अपेक्षा को लेकर आपसे सह हर्ष निवेदन है कि आगामी निर्वाचन में आपके सहयोगी अधिवक्ता को आगामी 12 मई को अपने आशीर्वाद स्वरूप प्रथम वरीयता का मत प्रदान कर मुझे सशक्त बनाएं, ताकि मैं पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ आप सभी के अधिकारों की आवाज़ बन सकूं।

बच्चों की कहासुनी बनी खूनी बवाल- नीमच में घर में घुसकर हमला, लाठी-डंडों से पीटा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जावद थाना क्षेत्र में एक मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। आदर्श मोहल्ले में बच्चों के बीच हुई छोटी सी कहासुनी कुछ ही घंटों में खूनी झड़प में बदल गई, जब एक पक्ष के लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर दूसरे पक्ष के घर में घुस गए और जमकर हमला कर दिया। घटना शुक्रवार दोपहर की बताई जा रही है। सुबह बच्चों के बीच हुए विवाद ने पहले परिवारों को आमने-सामने ला दियाज और फिर देखते ही देखते मामला बेकाबू हो गया। घायल शहजाद हुसैन के मुताबिक, वे अपने घर पर मौजूद थे, तभी अचानक मुगदाद, मकसूद, जुनेद, मुख्तार, शकीर, रियाज सहित करीब 8 से 10 लोग हथियारों के साथ घर में घुस आए।

आरोप है कि बिना किसी बातचीत के हमलावरों ने सीधे मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान घर में मौजूद महिलाओं के साथ भी धक्का-मुक्की की गई, जिससे हालात और ज्यादा तनावपूर्ण हो गए। हमलावरों का गुस्सा यहीं नहीं रुका। घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ की गईज पत्थरबाजी हुईज और पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हमले में निजाम और सद्दाम को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं शहजाद भी घायल हुए हैं और उनका इलाज जारी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में दहशत और बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि जब मीडियाकर्मी मौके पर पहुंचे, तो कुछ आरोपियों ने उनके साथ भी बदसलूकी की और मोबाइल छीनने की कोशिश की। दूसरे पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने इस पूरे मामले पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। फिलहाल जावद थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

बैठक : सभी अधिकारी मानव अधिकार के संरक्षण के लिए प्राथमिकता से कार्य करें-आयोग अध्यक्ष डॉ. सिंह

पुलिस अधीक्षक ने ड्रग्स एवं तस्करी संबंधित मामलों की जानकारी दी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉक्टर अवधेश प्रताप सिंह ने सर्किट हाउस मंदसौर में जिलाधिकारीयों के साथ बैठक ली। बैठक में उन्होंने मानव अधिकारों के उल्लंघन संबंधित प्रकरण की विस्तार से समीक्षा की एवं प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर अदिती गर्ग , पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना , सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन, एएसपी टीएस बघेल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे। मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सभी अधिकारी तत्परता से मानव अधिकार के संरक्षण के लिए कार्य करें। साथ ही जिले में जितने भी मानव अधिकारों से संबंधित जितने भी प्रकरण लंबित है उनका प्राथमिकता से निराकरण कर उचित कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती गर्ग के द्वारा जिले में चल रही शासकीय योजनाओं के संबंध में मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष को विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक से ड्रग्स एवं तस्करी संबंधित मामलों की जानकारी दी। मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉक्टर सिंह ने पेयजल के संबंध में सीएमओ से विस्तार से चर्चा की एवं जल के परीक्षण के बारे में जानकारी ली। स्लेट पेंसिल उद्योग में जितने भी पंजीकृत उद्योग है, वहां पर कार्य करने वालों का समय-समय पर टीबी की जांच करने के निर्देश दिए। एमपीआरडीसी से मंदसौर से सीतामऊ रोड के संबंध में तत्परता से करवाई कर रोड को दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिए।

पशुपतिनाथजी के दर्शन उपरांत जिला अधिकारियों की बैठक ली- मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने भगवान पशुपतिनाथजी के दर्शन व पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की। तदुपरांत कलेक्टर व अन्य जिला प्रशासन अधिकारियों के साथ बैठक कर सीतामऊ रोड दुर्घटनाओं पर गंभीरता से कार्यवाही के निर्देश के साथ अन्य मानव अधिकार संबंधी प्रकरणों की समीक्षा की। इस अवसर पर मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. सिंह ने उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से भी आत्मीय भेंट कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

क्या नीमच बन सकता है मालवा मेवाड़ का रेल हब?

अगले 10 साल तय करेंगे तस्वीर, पूर्व विधायक संपत स्वरूप जाजू की टिप्पणी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश का सीमावर्ती जिला नीमच आने वाले एक दशक में मालवा-मेवाड़ क्षेत्र का प्रमुख रेल कनेक्टिविटी हब बन सकता है। लेकिन यह संभावनाएं हकीकत में बदलेंगी या नहीं–यह काफी हद तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रयासों और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा। पूर्व विधायक डॉक्टर संपत स्वरूप जाजू ने कहा कि अगर हम उदाहरण देखें, तो इंदौर की कनेक्टिविटी में जबरदस्त सुधार वहां के नेताओं के लगातार प्रयासों और राजनीतिक दबाव का नतीजा है। खासकर सुमित्रा महाजन (ताई) के कार्यकाल में रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर हुए प्रयासों ने इंदौर को एक मजबूत नेटवर्क से जोड़ा।

रेल कनेक्टिविटीः संभावनाओं का बड़ा नेटवर्क- नीमच को मालवा-मेवाड़ के बीच एक रणनीतिक रेलवे जंक्शन के रूप में विकसित किया जा सकता है। केंद्र सरकार द्वारा कई रेल परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनमें से कुछ अगले दो वर्षों में पूरी होने की संभावना है।

संभावित रेल कनेक्टिविटी में शामिल हैं-

रतलाम - अजमेर रेल लाइन

बड़ी सादड़ी - मावली कनेक्शन

कोटा से सीधा लिंक

राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के शहरों से कनेक्टिविटी

अगर इन परियोजनाओं पर गंभीरता से काम हुआ, तो नीमच एक ऐसा प्रमुख स्टेशन बन सकता है जो कई राज्यों को जोड़ने वाला ट्रांजिट पॉइंट होगा।

मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी की संभावना- रेल के अलावा, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी भी नीमच को नई पहचान दे सकती है।

कोटा-बांसवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग स्वीकृत

नीमच-गरोठ फोरलेन की घोषणा

एयरपोर्ट निर्माण का प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन

अगर ये सभी प्रोजेक्ट समय पर पूरे होते हैं, तो नीमच देश के विभिन्न हिस्सों से सीधे जुड़ सकता है।

असली सवाल: इच्छाशक्ति बनाम योजनाएं- योजनाएं कागज पर मौजूद हैं, बजट की संभावनाएं भी हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या स्थानीय जनप्रतिनिधि इन परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे?

राजनीतिक इच्छाशक्ति और लगातार फॉलोअप ही तय करेगा कि नीमच आने वाले 10 वर्षों में एक बड़ा कनेक्टिविटी हब बनेगा या फिर संभावनाओं तक ही सीमित रह जाएगा।

मंदसौर में पत्रकार भवन की मांग तेज, विधायक विपिन जैन ने कलेक्टर को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पत्रकारों के लिए समुचित सुविधाओं की कमी को देखते हुए पत्रकार भवन निर्माण की मांग एक बार फिर जोर पकड़ती नजर आ रही है। इस संबंध में मंदसौर विधायक विपिन जैन ने कलेक्टर को पत्र लिखकर शहर में पत्रकार भवन के लिए भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। विधायक द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में मंदसौर शहर में पत्रकारों के लिए कोई स्थायी और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण प्रेस वार्ताओं, बैठकों एवं अन्य गतिविधियों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। श्री जैन ने कहा कि एक सुव्यवस्थित पत्रकार भवन बनने से जिले के पत्रकारों को अपने कार्यों के संचालन के लिए एक बेहतर मंच मिल सकेगा। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि पत्रकार भवन की मांग लंबे समय से पत्रकारों द्वारा की जा रही थी सो अब इसे मूर्त रूप देने की आवश्यकता है। विधायक विपिन जैन ने यह भी स्पष्ट किया कि भवन निर्माण के लिए वे अपनी विधायक निधि से आर्थिक सहयोग देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि मंदसौर शहर में उपयुक्त भूमि चिन्हित कर पत्रकार भवन निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि पत्रकारों को एक स्थायी एवं सुविधाजनक कार्यस्थल उपलब्ध हो सके। इस पहल को लेकर उम्मीद जताई जा रही है कि प्रशासन जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगा।

मनरेगा योजना अंतर्गत कार्यरत उपयंत्रियों को 7 माह से नहीं मिली पगार, आर्थिक संकट उपजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनरेगा योजना अंतर्गत कार्यरत 1335 उपयंत्रियों को विगत 7 माह का मासिक पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हुआ है। मासिक पारिश्रमिक का समय पर भुगतान न होने के कारण प्रदेश के समस्त उपयंत्री गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्हें परिवार के दैनिक जीवन- यापन, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य उपचार एवं अन्य आवश्यक व्ययों की पूर्ति में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में आर्थिक अस्थिरता के कारण मानसिक तनाव की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है, जिससे कार्य क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस संबंध में शुक्रवार को एक ज्ञापन जिला पंचायत कार्यालय में प्रदर्शन कर दिया गया।

नीमच में तीन दिवसीय पुस्तक मेले का भव्य शुभारंभ, पहले ही दिन उमड़ी पालकों की भीड़

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा विभाग नीमच द्वारा शासकीय उ.मा.वि.क्रं.-02, नीमच में तीन दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारंभ आज बड़े उत्साह के साथ किया गया। मेले का उदघाटन कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ श्री अमन वैष्णव भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

पुस्तक मेले में कुल 15 दुकानदारों द्वारा शालाओं में प्रचलित सभी कक्षाओं की, गणवेश, पुस्तकें एवं स्टेशनरी सामग्री न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है। निजी प्रकाशकों की पुस्तकों पर लगभग 20 प्रतिशत तथा स्टेशनरी सामग्री जैसे कॉपियां एवं रजिस्टर पर 50 प्रतिशत तक का आकर्षक डिस्काउंट दिया जा रहा है, जिससे पालकों एवं विद्यार्थियों को काफी लाभ मिल रहा है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुजानमल मांगरिया ने पालकों से अपील की है, कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर, इस अवसर का लाभ उठाएं। मेले के प्रथम दिवस ही लगभग 300 से अधिक पालकों ने पहुंचकर, रियायती दरों पर पुस्तकें एवं स्टेशनरी सामग्री क्रय की। यह पुस्तक मेला 12 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें आगामी दिनों में और अधिक संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद हैं।

सरवन और सेमलखेड़ा में जल संरक्षण के लिए जनजागरण कार्यक्रम आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 -द्वितीय चरण के अंतर्गत ग्राम इन्द्रावल में जल जागरूकता रैली और जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जल स्त्रोतों का संरक्षण करना है।

संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय ने कहा कि बिन पानी सब सून - जल संरक्षण जीवन रक्षा के समान है। उन्होंने जल संचय के तीन प्रमुख उपाय बताते हुए कहा कि दौड़ते पानी को चलाना, चलते पानी को रेंगाना और रेंगते पानी को रोकना आवश्यक है। जिला समन्वयक श्री रत्नेश विजयवर्गीय ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में अभियान सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है। ब्लॉक समन्वयक श्री रतनलाल चरपोटा ने जल संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्ति पर भी विचार व्यक्त किए। जिला पंचायत सदस्य चन्दूलाल मईडा ने क्षेत्र में जल संकट की स्थिति को देखते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

अभियान के अंतर्गत कुएं, तालाब, बावड़ी एवं नदियों जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्य किए जा रहे हैं। नदी घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाकर जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था, विश्व कल्याण सेवा समिति सरवन, भागीरथ रुरल वेलफेयर सोसायटी, बेडदा सांवरिया शिक्षण समिति, आदर्श सकरावदा समिति, प्रस्फुटन समिति के सदस्य, छात्र-छात्राएं और ग्रामीण जन उपस्थित थे।

बार-बार नाली निर्माण के नाम पर जनता को परेशान व पैसों की यूं बर्बादी न की जाय

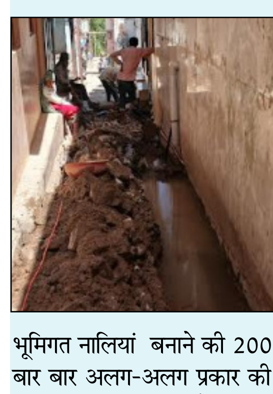

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका प्रशासन बिना किसी ठोस, स्थाई व दीर्घकालिक योजना बनाए बिना कार्य कर रहा है जिससे केवल और केवल जनता को पीड़ा पहुंचाने के साथ ही जनता के पैसों की बर्बादी की जा रही है । पहले वी आकार की नालियां बनी । अब यू आकार की नालियां बनाई जा रही है जबकि नगर पालिका द्वारा ही भूमिगत नालियां बनाने की 200 करोड़ की योजना बन चुकी है तो फिर यह बार बार अलग-अलग प्रकार की नालियां बनाकर जनता को परेशान करने के साथ ही जनता के पैसों की बर्बादी आखिर क्यों की जा रही है। नाली निर्माण के कारण प्रत्येक घर की सीढ़ियां तोड़ी जा रही है व साथ ही असावधानी से नाली खुदाई के कारण नल के पाइप तोड़े जा रहे हैं जिससे जनता को आर्थिक व मानसिक दोहरी मार पड़ रही है। नगर पालिका का अर्थ ही होता है जनता व नगर की पालक व पालनहार किंतु यहां तो एकदम उल्टा ही हो रहा है। दोषपूर्ण योजनाएं बनाकर जनता को परेशान किया जा रहा है। अनुराग संस्था ने सांसद द्वय, विधायक, नगरपालिका अध्यक्ष को पत्र लिखकर मांग की है कि तत्संबंध में शीघ्र संज्ञान लें ताकि जनता को राहत के स्थान पर कष्ट ना भोगना पड़े ।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज परिवहन के दो प्रकरणों में 5 लाख से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के दो प्रकरणों में कुल 5 लाख 6 हजार 125 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध खनिज परिहवनकर्ता वाहन चालक देवीलाल पिता नारायण गुर्जर निवासी इटावा तहसील बेगू जिला चित्तौडगढ द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 28125 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 4 लाख रूपये इस प्रकार कुल 4 लाख 28 हजार 125 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

खनि अधिकारी को निर्देशित किया है, कि अधिरोपित जुर्माने की राशि 428125 रूपए चालान से 15 दिवस के अन्दर शासकीय कोष में जमा होने पर जप्त शुदा वाहन डम्पर पंजीयन क्र.आर.जे.09जी.ई.6768 को मुक्त करने के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

डॉ. सिंह ने रोटरी क्लब द्वारा संचालित डायलिसिस कक्षों का अवलोकन कर शुभारंभ किया, नई मशीनें शुरू होगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉक्टर अवधेश प्रताप सिंह ने दलोदा में भगवान महावीर स्वास्थ्य केंद्र में रोटरी क्लब द्वारा अस्पताल स्थापित डायलिसिस मशीनों का समाज सेवियों के साथ अवलोकन कर वहाँ चिकित्सा करा रहे मरीज़ों से चर्चा की।साथ ही डायलिसिस की सात अतिरिक्त मशीनों को लगाने के लिए निर्मित नवीन कक्षों का शुभारंभ किया। इसके पूर्व समाजसेवी रोटरी क्लब के अध्यक्ष व पदाधिकारियों द्वारा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ अवधेश प्रताप का माला, गमछों एवं स्मृति चिन्ह से आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉक्टर सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब के सदस्य मानवता की सेवा का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इस डायलिसिस केंद्र से दूर-दुराज के लोगों को फायदा मिलेगा। अस्पताल में आयुष्मान के माध्यम से डायलिसिस का लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने डायलिसिस के मरीजों से चर्चा की एवं उनसे जानकारी प्राप्त की । साथ ही 7 नई मशीन स्थापित कक्षा का अवलोकन किया एवं संचालक से भी चर्चा की। इस दौरान बड़ी संख्या में मंदसौर रोटरी क्लब के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य एवं ग्रामीण एसडीएम सहित नागरिक मौजूद थे।

सम्पादकीय

नया सिक्योरिटीज कोड अपने वैधानिक उद्देश्य से भटका, निवेशक असुरक्षित हुए

भारत के प्रतिभूति बाजार अब खुदरा युग में हैं। पहली बार निवेश करने वाले लाखों निवेशक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, म्युचुअल फंड्स और सेवानिवृत्ति संबंधी योजनाओं के जरिये निवेश करते हैं। उनके लिए नियामक ढांचे पर विश्वास कोई अमूर्त अवधारणा नहीं है बल्कि यह वह शर्त है जो भागीदारी को संभव बनाती है। इसलिए, प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक, 2025 को निवेशक संरक्षण के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

यह संहिता तीन प्रतिभूति कानूनों को एकल, आधुनिक अधिनियम में समेकित करने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। कई पुराने अधिनियमों को मिलाकर यह विखंडन को कम करना, ओवरलैप को समाप्त करने और नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने का प्रयास करता है। ये सराहनीय विधायी नीति लक्ष्य हैं। लेकिन ये कानून के वास्तविक उद्देश्यों का स्थान नहीं ले सकते।

जिन अधिनियमों को समाहित किया जा रहा है, उनमें से एक है भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अधिनियम, 1992, जिसने भारत का पहला आधुनिक नियामक स्थापित किया। इस अधिनियम की प्रस्तावना में इसका उद्देश्य स्पष्ट किया गया था- प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना। यह अभिव्यक्ति जानबूझकर की गई थी। इसने यह स्वीकार किया कि निवेशकों का विश्वास, विशेषकर खुदरा निवेशकों का, एक विश्वसनीय प्रतिभूति बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हालांकि संहिता सेबी के अधिकार क्षेत्र में निवेशक संरक्षण को बनाए रखती है, लेकिन इसमें इसे अधिनियम के प्रेरक उद्देश्य के रूप में व्यक्त नहीं किया गया है। यह केवल मसौदा शैली का मामला नहीं है। बल्कि यह विधायी जोर में बदलाव है। सार्वजनिक कानून में, विधायी उद्देश्य अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह व्याख्या का मार्गदर्शन करता है, नियामक विवेक को दिशा देता है, संस्थागत प्राथमिकताओं को आकार देता है और कानून तथा नियामक दोनों का उनके अपेक्षित उद्देश्यों के संदर्भ में सार्थक मूल्यांकन संभव बनाता है। इसकी अनुपस्थिति लोकतांत्रिक जवाबदेही को कठिन बना देती है।

निवेशक संरक्षण को लंबे समय से कानून और वित्तीय शोध दोनों में प्रतिभूति विनियमन का परिभाषित उद्देश्य माना गया है। प्रतिभूति कानून न केवल निवेशकों को धोखाधड़ी और हेरफेर से बचाने के लिए बनाए जाते हैं, बल्कि कभी-कभी उन्हें उनकी अपनी सूचना संबंधी और व्यवहारगत सीमाओं से भी बचाने के लिए भी। इस ढांचे के भीतर, नियामक निवेशकों के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। समय के साथ, अधिनियम ने सेबी की संस्थागत पहचान को निवेशकों के स्तंभ के रूप में आकार दिया, जिसे इसके टैगलाइन में अभिव्यक्त किया गया- 'हर निवेशक की ताकत'।

इस संदर्भ में देखें तो संहिता का दसवां अध्याय जो निवेशक शिकायत निवारण ढांचे से संबंधित है, वह कुछ खास बातें सामने लाता है। संहिता में प्रावधान है कि नियामक 'निवेशक चार्टर' बना सकता है, 'शिकायत निवारण तंत्र' प्रदान कर सकता है, 'सेवा प्रदाताओं को समान तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता' पर काम कर सकता है, और अपने किसी अधिकारी को 'लोकपाल' नामित कर सकता है। डिफॉल्ट करने वाले पक्ष पर केवल यही बाध्यता है कि वह शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करे। समाधान का पूरा बोझ पीड़ित निवेशक पर ही रहता है, जिसे 180 दिनों के भीतर शिकायत को प्रक्रिया से गुजारना होता है।

यदि शिकायत का समाधान नहीं होता है, तो निवेशक लोकपाल के पास जा सकता है। इस चरण में शिकायत एक औपचारिक शिकायत में बदल जाती है। पक्षकार वादी और प्रतिवादी की भूमिका निभाते हैं, कार्यवाही विरोधी हो जाती है, और सेवा में कमी साबित करने का दायित्व निवेशक पर होता है। यह डिजाइन इस बात की गलत समझ को दर्शाता है कि आधुनिक नियमन कैसे काम करता है। नियामक व्यवस्थाएं सूचना पर आधारित होती हैं, न कि निजी अभियोजन पर। वे पीड़ितों को शक्तिशाली मध्यस्थों के खिलाफ अकेला नहीं छोड़तीं। वर्तमान प्रतिभूति कानूनों के तहत, एक पीड़ित निवेशक शिकायत को नियामक के संज्ञान में लाता है, जिसके बाद नियामक सार्वजनिक हित में एक जांच प्रक्रिया शुरू करता है।

मानसिक व्याधियों में अत्यंत लाभकारी है सहजयोग ध्यान

इस घोर कलियुग में मानसिक समस्या एक बहुत बड़ी त्रासदी है। मानसिक रोग यानि सिर्फ पागलपन नहीं पर डिप्रेशन भी है। अपने मन को स्वयं के काबू में? नहीं रख पाने से ही ऐसी समस्याएं आती है। इस प्रतियोगिता वाले युग में स्वयं को औरों से कम पाने पर इंसान अंदर ही अंदर घुटने लगता है और मानसिक व्यथा को? झेलता है। सफल इंसान भी और ज्यादा पाने की ललक में स्वयं को इस प्रतियोगिता से दूर नहीं रख पाता है और मन की समस्या का सामना करने को विवश होता है।

हम सभी ने अपने जीवन में कई गलतियां की होती है, जिसे हम भले ही सबसे छुपा लें पर अपने आप से नहीं छुपा सकते हैं। हमारी इन गलतियों को ईश्वर सदैव क्षमा कर देते हैं पर हम और हमारा अंतर्मन स्वयं को निर्दोष मानने से रोक नहीं पाते हैं और कितना भी चाहे इस आंतरिक अपराध बोध से मुक्ति नहीं मिलती।

मानसिक व्याधियों का एक बड़ा कारण अपराध बोध का भार ही है। असंतुलन की स्थिति में व्यक्ति और बड़ा अपराध कर बैठता है अथवा आत्महत्या जैसा पाप कर बैठता है, जैसे कि अंत में हिटलर ने किया था। अमेरिका के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक ब्रायन बांस ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि पुनर्जन्म सत्य है और जीव अपने पूर्वजन्मों के कर्मों के अनुरूप अगले जन्म में वैसी मनोस्थिति व व्यक्तित्व को प्राप्त करता है। अक्सर लोग मनोचिकित्सकों या आध्यात्मिक गुरुओं के पास अपराध बोध से मुक्ति पाने के लिए जाते हैं, परंतु आज तक इस व्याधि का कोई कारगर इलाज संभव नहीं हुआ है। विशेषज्ञों के मतानुसार पश्चाताप और विवेक ऐसे उपाय है जिनके द्वारा इससे कुछ हद तक मुक्ति पाई जा सकती है। पश्चाताप यदि केवल दिखावे के लिए किया जाएगा तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। साधारणतया लोग यह सोचते हैं कि इसके लिए बस एक अच्छे गुरु की आवश्यकता होती है जो सर्वप्रथम अपराधी के विवेक को जाग्रत करता है और उसके बाद उसे पश्चाताप की सही विधि बताता है। इसीलिए आदिकाल में राक्षसों के भी गुरु होते थे जैसे कि शुक्राचार्य थे।

परंतु सहज योग ध्यान प्रक्रिया में मानव को स्वयं का गुरु बनाकर मानसिक व्यथा से मुक्त किया जाता है। श्री माताजी कहती हैं निर्दोष भाव से मुक्त हो अपने अंतर के ईश्वर से एकाकारिता ही आत्मोत्थान का मार्ग है। जब हमारी कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर। उर्ध्वगामी होती है और विशुद्धि चक्र को? स्पर्श करती है तब हमारे अन्दर का दोषी भाव? पूर्णरुपेण समाप्त होता है और हम स्वयं परिपूर्णता निर्दोष हो जाते है। यह भाव? हमारे प्रगति मार्ग को प्रशस्त करता है।

सहजयोग की प्रणेता परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इसकी व्याख्या करते हुए 1जुलाई1992 को दिए गए प्रवचन में कहा था, -मैं चाहती हूं कि आपके मन में अपने प्रति बहुत मधुर भावना रहे। आपने जो भी गलतियाँ की हैं, उन्हें भूल जाइए। इसे भूल जाओ क्योंकि यह सर्वव्यापी शक्ति क्षमा का सागर है, इसलिए आप ऐसी कोई गलती नहीं कर सकते जो करुणा के इस सागर में पूरी तरह से विलीन न हो सके।

श्री माताजी का यह कथन तभी संभव हो पायेगा जब सहज योग पद्धति से ध्यान कर भूतकाल के दुष्प्रभाव से छुटकारा पायें। चलिये हम सभी इस करुणा के सागर में विलीन हो स्वयं को अंदर से शक्तिशाली बनाते? हैं, जुड़ते हैं सहज योग से।

रिकॉर्ड मतदान, बदलता भारत – लोकतंत्र अब जनता की मुट्ठी में

कभी-कभी इतिहास शोर से नहीं, कतारों में खड़ी खामोश भीड़ के संकल्प से लिखा जाता है। 9 अप्रैल 2026 ऐसा ही दिन था। असम, केरल और पुडुचेरी में भोर से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कहीं भीगे हाथों में छाते थे, कहीं तपती सुबह से पहले ही चेहरों पर जिद चमक रही थी। कोई कांपते कदमों और झुकी कमर के साथ पहुंचा था, तो कोई पहली बार वोट देने का उत्साह आंखों में लिए खड़ा था। चेहरे अलग थे, भाषाएं अलग थीं, परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन सबको एक ही विश्वास जोड़ रहा था–लोकतंत्र को और मजबूत करने का विश्वास। शाम तक आंकड़ों ने बता दिया कि जनता ने केवल मतदान नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति से एक घंटे पहले (शाम 5 बजे तक) के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नई ताकत का ऐलान करने वाले हैं–असम में 84.42 प्रतिशत, केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान। ये केवल संख्या नहीं, बल्कि उस जागते भारत की तस्वीर हैं, जो अब राजनीति को दूर से देखना नहीं, उसे अपनी मुट्ठी में लेना चाहता है। लगभग 5.3 करोड़ मतदाताओं की इस भागीदारी ने साफ कर दिया कि जनता अब भाषणों और नारों के पीछे चलने वाली भीड़ नहीं रही। वह सवाल करती है, जवाब मांगती है और अपने वोट से बता रही है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक है। यही वजह है कि ये चुनाव केवल तीन राज्यों की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा बन गए हैं।

असम में इस बार का चुनाव कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। 126 सीटों वाले राज्य में 84.42 प्रतिशत मतदान ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 के परिसीमन के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह पहला चुनाव था, इसलिए लोगों की भागीदारी भी बढ़ी। भाजपा-एनडीए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने में जुटा है, जबकि कांग्रेस और अन्य दल वापसी की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि मतदाता दलों से अधिक अपने मुद्दों पर केंद्रित दिखा। भूमि अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, सीमा सुरक्षा, बेरोजगारी और विकास जैसे सवाल लोगों को बूथ तक ले आए। डलगांव जैसे क्षेत्रों में 94 प्रतिशत से अधिक मतदान ने बता दिया कि असम अब केवल सरकार नहीं, अपना भविष्य चुन रहा है।

असम की जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, बल्कि अपनी राजनीतिक चेतना भी दिखा दी। पहचान, घुसपैठ, सीमाई तनाव और अवसरों की कमी से लंबे समय तक जूझते रहे इस राज्य ने साफ कर दिया कि अब उसे केवल वादे नहीं, ठोस जवाब चाहिए। गांवों, पहाड़ी इलाकों और सीमा से लगे क्षेत्रों में जिस तरह महिलाएं, बुजुर्ग और युवा मतदान के लिए निकले, उसने साबित कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत शहरों तक सीमित नहीं है। असम ने यह भी दिखाया कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय राजनीति का किनारा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली मजबूत आवाज बन चुका है। वहां की जनता ने बता दिया कि लोकतंत्र सबसे मजबूत तब होता है, जब सबसे दूर बैठा नागरिक भी अपने वोट की कीमत समझने लगे। केरल में तस्वीर अलग थी, लेकिन संदेश उतना ही मजबूत। 140 सीटों पर हुए चुनाव में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह आंकड़ा असम और पुडुचेरी से कम जरूर है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक केरल में यह भागीदारी अपने आप में असाधारण है। एलडीएफ, यूडीएफ और भाजपा गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया। पलक्कड़, कोझीकोड और कई जिलों में 80 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, पर्यावरण और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी राय दी। यहां मतदाता केवल दल नहीं देखता, बल्कि उनके काम, नीतियों और भविष्य की दिशा को भी परखता है।

केरल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वहां लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कृति बन चुका है। बारिश के बावजूद बूथों पर लगी लंबी कतारों ने बता दिया कि यहां का नागरिक मतदान को अधिकार से अधिक कर्तव्य मानता है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदान के लिए पहुंचे। युवाओं ने बेरोजगारी, तकनीकी शिक्षा और बेहतर अवसरों के सवाल उठाए, जबकि महिलाओं ने स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी। केरल के मतदाता ने साफ कर दिया कि अब राजनीति केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहेगी। जनता का विश्वास उसी दल को मिलेगा, जो उसकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

इन चुनावों में अगर किसी ने पूरे देश को सबसे ज्यादा चौंकाया, तो वह पुडुचेरी था। केवल 9.5 लाख मतदाताओं वाले इस छोटे केंद्र शासित प्रदेश में 86.92 प्रतिशत मतदान ने लोकतंत्र की नई मिसाल कायम कर दी। 30 सीटों वाले पुडुचेरी में एनडीए, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन और अन्य दलों के बीच मुकाबला था, लेकिन सबसे बड़ी जीत जनता की भागीदारी की रही। कराईकल, पुडुचेरी और आसपास के इलाकों में सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर भीड़ उमड़ी रही। स्थानीय रोजगार, पर्यटन, बुनियादी सुविधाएं, विकास और स्वायत्तता जैसे मुद्दों ने लोगों को बूथ तक पहुंचाया। इस छोटे प्रदेश ने पूरे देश को बता दिया कि लोकतंत्र की ताकत आबादी से नहीं, नागरिकों की जागरूकता से तय होती है।

असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है। 4 मई को नतीजे आएंगे, सरकारें बनेंगी और समीकरण बदलेंगे, लेकिन इन चुनावों की सबसे बड़ी जीत पहले ही सामने आ चुकी है। वह जीत है जनता का यह विश्वास कि उसकी उंगली पर लगी स्याही केवल निशान नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

-प्रो. आरके जैन

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई

नई दिल्ली - पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडरों की उपलब्धता में काफ़ी बढ़ोतरी की है, ताकि देश भर में प्रवासी मज़दूरों और संवेदनशील समुदायों को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन आसानी से और किफ़ायती दरों पर मिल सके।

एक सक्रिय कदम उठाते हुए, मंत्रालय ने पूर्व आपूर्ति सीमा को हटा दिया है और 7 अप्रैल से सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 5 किलोग्राम सिलेंडरों का रोज़ाना का आवंटन दोगुना कर दिया है। खासतौर पर शहरी एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए यह कदम बढ़ाया गया है।

मंत्रालय ने सिलेंडर प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी सरल बना दिया है। अब उपभोक्ता अपने पहचान पत्र जैसे आधार या पैन कार्ड तथा सेल्फ-डेक्लेशन के साथ सिलेंडर ले सकते हैं; उन्हें पते का स्थायी प्रमाण प्रस्तुत नहीं करना होगा। उम्मीद है कि इस पहल से प्रवासी मज़दूरों, दिहाड़ी मज़दूरों और छात्रों को लाभ होगा, क्योंकि उन्हें खाना पकाने के लिए सुविधाजनक ईंधन आसानी से सुलभ हो सकेगा।

मज़बूत माँग और प्रभावी 'लास्ट-माइल डिलीवरी' को सुनिश्चित करते हुए, 23 मार्च से 9 अप्रैल के बीच देश भर में 8.9 लाख से ज़्यादा 5 किलोग्राम सिलेंडर बांटे गए; 7 अप्रैल को एक ही दिन में 1.1 लाख से ज़्यादा सिलेंडरों की बिक्री का रिकॉर्ड बना।

साथ ही, लोगों को जागरूक बनाने और सुरक्षित इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में 1,600 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं। राज्य सरकारें, तेल विपणन कंपनियों के साथ मिलकर, एक समान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वितरण का सक्रिय प्रबंधन कर रही हैं।

नहीं छीन सकते मताधिकार

यह भारत के प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार-मताधिकार-का सवाल है। इसे न तो कोई छीन सकता है और न ही स्थगित कर सकता है। स्थगित के मायने हैं कि कोई बात नहीं, आप पांच साल के बाद वाले चुनाव में मतदान कर लेना। नहीं, यह बिल्कुल गलत, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा हुआ है और हडकंप मचा है। लोगों में भय और आशंका है कि अंततः उनकी नागरिकता रद्द कर दी जाएगी! चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कई राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में किए हैं। बेशक बिहार में तूफान मचा और इसे राजनीतिक, चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन नाकाम रहीं। चुनाव सम्पन्न हो गया और भाजपा-एनडीए की सरकार बरकरार रही। बंगाल में 'तार्किक विसंगति श्रेणी' की प्रक्रिया के बाद भी 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए। कुल 90.83 लाख से अधिक नाम काटे गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए या फर्जी मतदाता थे? आयोग ने आज तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया? जिनकी मृत्यु हो गई, उनका आंकड़ा छोड़ दीजिए।

-धनंजय राजौरा

बे-असर सीज-फायर, वैश्विक मानवता का संकट यथावत

महायुद्ध, सीजफायर और कूटनीतिक उलझनों के बीच वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे त्रिशंकु की स्थिति को जन्म देता दिखाई दे रहा है। जिसमें न केवल क्षेत्रीय शक्तियां बल्कि वैश्विक महाशक्तियां भी उलझती नजर आ रही है। अमेरिका, इजरायल, ईरान और पाकिस्तान के बीच चल रहा यह तनाव अब केवल सीमित अमेरिका इजरायल और ईरान के मध्य नहीं रह गया यह युद्ध एक वैश्विक सामरिक आर्थिक और सामाजिक संकट को पैदा कर रहा है।यह महायुद्ध अविश्वास, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक विफलताओं का एक जटिल और बहुस्तरीय मानवता विरोधी संघर्ष बन चुका है।,

हाल के घटनाक्रम में अमेरिका द्वारा प्रस्तावित सीजफायर को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा था। जिसमें लेबनान को भी शामिल किया गया, इस प्रस्ताव को प्रारंभिक स्तर पर एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा गया था क्योंकि इससे ऐसी उम्मीद जगी थी कि लगातार हो रही बमबारी और नागरिकों की मौतों पर कुछ हद तक विराम लग सकेगा।किंतु युद्ध के घटनाक्रम में ऐसी करवट ली जिससे उसने इस आशा को बहुत जल्दी निराशा में बदल दिया है और संकट की संभावनाओं को और भी जटिल तथा संघर्षपूर्ण बना दिया।

सीजफायर लागू होने के बावजूद इजरायल द्वारा लेबनान पर लगातार हमले जारी करके हजारों इमारतों को ध्वस्त कर दिया है,यह स्पष्ट संकेत है कि युद्ध के मैदानी स्तर पर सैन्य रणनीति और कूटनीतिक घोषणाओं के बीच बड़ा गहरा भयानक परिणाम देने वाला अंतर मौजूद है, इस दौरान सैकड़ों निर्दोष नागरिकों की मौत से यह संघर्ष को केवल राजनीतिक या सैन्य मुद्दा नहीं रह गया है बल्कि इसे एक गहरे संवेदनशील मार्मिक मानवीय संकट में बदल दिया है। यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों की गंभीर अवहेलना को भी उजागर करती है और वैश्विक स्तर पर संस्थाओं की प्रभाव पर सवाल खड़े करती है। महायुद्ध में संयुक्त राष्ट संघ की भूमिका लगभग प्रभावहीन है वैसे भी संयुक्त राष्ट संघ विगत कुछ वर्षों से निष्क्रिय सा दिखाई देने लगा है उसकी अपील पर बड़े और बाहुबली देश अब ध्यान देना बंद कर चुके हैं संयुक्त राष्ट संघ के अस्तित्व पर कई सवालिया निशान मौजूद हैं।अमेरिका की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत जटिल विरोधाभासी और अविश्वसनीय दिखाई देती है। एक ओर वह स्वयं को शांति का पक्षधर और मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर के सीजफायर का प्रस्ताव रख क्षेत्र में स्थिरता की बात करता है, वहीं दूसरी ओर उसके सहयोगी इजरायल द्वारा उसी सीजफायर का उल्लंघन किए जाने पर उसकी प्रतिक्रिया अस्पष्ट नकारात्मक और कमजोर नजर आती है। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि अमेरिका की नीतियां नैतिकता से अधिक रणनीतिक और व्यापारिक हितों से संचालित हो रही हैं, विशेष रूप से मध्य पूर्व में उसकी दीर्घकालिक रणनीति, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक प्रभुत्व की नीति इस पूरे घटनाक्रम को प्रभावित कर रही है।

दूसरी तरफ ईरान इस संघर्ष में अपने पारंपरिक प्रतिरोधी रुख को और अधिक सुदृढ़ करता हुआ दिखाई देता है, वह न केवल इजरायल की कार्रवाइयों का खुलकर विरोध कर रहा है बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत है। ईरान के लिए यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं बल्कि वैचारिक और राजनीतिक भी है जिसमें वह स्वयं को क्षेत्रीय संतुलन का एक महत्वपूर्ण केंद्र मानता है।

पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक दुविधाजनक और जटिल बन गई है, उसने अमेरिका के संदेश को ईरान तक पहुंचाकर एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने का प्रयास किया, यह प्रयास कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति प्रक्रिया में अपनी भूमिका स्थापित करना चाहता है, किंतु जब अमेरिका स्वयं अपने प्रस्ताव से पीछे हटता हुआ नजर आया और इजरायल ने सीजफायर का उल्लंघन जारी रखा, तब पाकिस्तान की स्थिति कमजोर पड़ गई है। वह न तो पूरी तरह अमेरिका के साथ खड़ा रह सका और न ही ईरान के साथ खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर पाया, परिणामस्वरूप वह एक त्रिशंकु बनकर युद्ध की विचित्र स्थिति में फंस गया है। जहां उसकी विश्वसनीयता और कूटनीतिक संतुलन दोनों पर संकट उत्पन्न हो गया है, पाकिस्तान के सामने यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है क्योंकि उसे अपने पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों और इस्लामी विश्व के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता है। इस पूरे घटनाक्रम में लेबनान सबसे अधिक पीड़ित पक्ष के रूप में सामने आया है जहां आम नागरिकों ने इस संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत चुकाई है। उसका बुनियादी ढांचा नष्ट हो चुका है, हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं और मानवीय संकट दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है।

यह स्थिति वैश्विक समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि यदि समय रहते प्रभावी और निष्पक्ष हस्तक्षेप नहीं किया गया तो यह संघर्ष व्यापक महायुद्ध का रूप ले सकता है।

वर्तमान परिस्थितियां यह भी दर्शाती हैं कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और पारंपरिक गठबंधन अब पहले की तरह स्थिर नहीं रह गए हैं, अमेरिका की नीतिगत अस्थिरता, इजरायल की आक्रामक सैन्य रणनीति, ईरान की दृढ़ प्रतिरोध क्षमता और पाकिस्तान की असमंजसपूर्ण कूटनीति मिलकर एक ऐसे जटिल संकट को जन्म दे रही हैं जो न केवल मध्य पूर्व बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं बल्कि सूचना, कूटनीति और वैश्विक जनमत के स्तर पर भी लड़े जा रहे हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक आवश्यकता एक ऐसे संतुलित, पारदर्शी और निष्पक्ष कूटनीतिक प्रयास की है जो केवल राजनीतिक और सामरिक हितों से प्रेरित न होकर मानवीय मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और स्थायी शांति की अवधारणा पर आधारित हो, अन्यथा यह त्रिशंकु स्थिति केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि यह समूचे वैश्विक तंत्र को अस्थिरता, अविश्वास और संघर्ष की गहराई में धकेल सकती है।जहां से निकलना न केवल कठिन बल्कि अत्यंत महंगा भी साबित होगा। वैश्विक शांति स्थापना के लिए अन्य शक्तिशाली तथा वैचारिक क्षमता वाले देशों को बीच में आकर मध्यस्थ बनना होगा अन्यथा यह युद्ध महायुद्ध से आगे बढ़कर परमाणु युद्ध में परिवर्तित हो सकता है और मानवीय संवेदना और सामरिक आर्थिक और सामाजिक भीषण संकट पैदा कर सकता है जिसकी आज हम कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

-संजीव ठाकुर

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है।

दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है।

-ललित गर्ग

64 केंद्रों पर शुरू हुई समर्थन मूल्य की खरीदी

किसानों ने लगाय अव्यवस्थाओं का आरोप, अधिकारियों ने किया दावा सुधारेंगे व्यवस्था

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शुक्रवार से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू हो गई है। किसानों की सुविधा के लिए जिले भर में कुल 64 खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। पहले दिन पूर्व में बुक स्लॉट वाले किसानों का गेहूं तोला गया। जिनकी उपज 2625 रू. में खरीदी गई।

खरीदी के पहले ही दिन कुछ किसानों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाय। कुछ केंद्रों पर पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। तो कुछ पर धूप से बचने के लिए छांव की सुविधा नहीं थी। जिससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कुछ किसानों ने तौल प्रक्रिया में भी गड़बड़ी की शिकायत की है। किसान हिम्मत सिंह राजपूत ने आरोप लगाया कि एक बोरी के वजन के नाम पर 600 से 650 ग्राम तक अतिरिक्त गेहूं लिया जा रहा है, जबकि बोरी का वास्तविक वजन 500 से 550 ग्राम के बीच होता है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

सुधारेंगे व्यवस्थाएं- खरीदी केंद्र प्रभारी राधेश्याम सौराष्ट्रीय ने बताया कि केंद्र पर लगभग 50 हजार क्विंटल गेहूं खरीदा जाना है। उन्होंने बताया कि फिलहाल छांव की व्यवस्था नहीं है और पानी की व्यवस्था की जा रही है। किसानों को समस्या न हो इसके लिए व्यवस्थाओं में सुधार किया जाएगा और किसानों को समस्या नहीं होगी।

64 केंद्रों पर शुरू हुई खरीदी- जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी अंजू मरावी ने बताया कि जिले के सभी 64 गेहूं खरीदी केंद्रों पर खरीदी शुरू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन छांव और पीने के पानी की कमी की शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। गेहूं तौल को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि बारदान (बोरी) का वजन लगभग 580 ग्राम होता है, जबकि किसानों से औसतन 560 ग्राम गेहूं लिया जा रहा है।

लंबे इंतजार के बाद शुरू हुई किसानों के गेहूं की सोसायटी, ताजपुर में हुआ तुलाई का शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। आज से गेहूं खरीदी सोसायटी का शुभारंभ कर दिया गया। ताजपुर स्थित शारदा वेयरहाउस में विधिवत रूप से गेहूं तुलाई कार्य शुरू हुआ।

इस अवसर पर किसान एकता संघ के जिला उपाध्यक्ष अर्जुन आंजना (बाडकुमेद) को अधिकारियों द्वारा हार पहनाकर सम्मानित किया गया। उनके द्वारा गेहूं तुलाई का शुभ मुहूर्त करवाया गया, जिसके बाद किसानों की उपज तौलने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई।

गौरतलब है कि किसान लंबे समय से गेहूं खरीदी शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। अब खरीदी शुरू होने से किसानों को अपनी उपज बेचने में सहूलियत मिलेगी और उन्हें आर्थिक राहत भी मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने खरीदी प्रक्रिया शुरू होने पर संतोष जताया और उम्मीद जताई कि आगे भी व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहेगी।

नपा, पुलिस और यातायात विभाग के साथ एसडीएम उतरी सड़क पर

अतिक्रमणकर्ताओं के खिलाफ की कार्रवाई, हजारों का लगाया जुर्माना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जाम से परेशान नगरवासियों को राहत देने के लिए गुरूवार शाम से प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम शुरू की है। इस दौरान एसडीएम मनीष वास्कले यातायात, नगर पालिका और पुलिस प्रशासन के साथ खुद सड़क पर उतरी और सख्ती बरती। इस दौरान अतिक्रमणकर्ताओं पर जुर्माना भी लगाया। कुछ स्थानों पर अधिकारियों की दुकानदारों से बहस भी हुई तो किसी ने हंगामा भी किया।

अधिकारियों ने पहले दिन 23 स्थानों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 28 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। बस स्टैंड स्थित पर एक दुकान संचालक ने 5000 रुपए के चालान काटने का विरोध करते हुए एसिड की बोतल निकाल ली और उसे पीने की धमकी देने लगा। मौके पर मौजूद एसडीएम और पुलिस बल ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला। इसके बाद टीम आगे बढ़ी और मुख्य मार्ग के दोनों ओर जेसीबी चलाकर दुकानों के बाहर निकले अतिरिक्त शेड, काउंटर और अवैध रूप से रखी गुमटियों को हटा दिया। कार्रवाई के दौरान कई दुकानों का बाहर रखा सामान भी जब्त किया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही।

कार्रवाई के दौरान हुई बहस- बस स्टैंड स्थित लस्सी दुकान के पास भी अतिक्रमण हटाने के दौरान विवाद की स्थिति बनी। दुकानदार द्वारा सामान हटाने का प्रयास किए जाने के बावजूद नगर पालिका कर्मचारियों ने काउंटर हटा दिया, जिससे सामान बिखर गया। इस दौरान दुकानदार और अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई, जिसे पुलिस बल ने शांत कराया।

दूसरे दिन भी जारी रही कार्रवाई- शुक्रवार शाम को भी अधिकारियों का अमला नगर में निकला और अतिक्रमण हटाने में जुट गया। इस दौरान जिन दुकानदारों ने सड़क पर सामान जमा रखा था उन्हें सख्ती से हटाया गया। इसके अलावा जेसीबी से भी अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान एसडीएम ने अतिक्रमणकर्ताओं को सख्ती से निर्देशित किया कि वे अतिक्रमण न करें नहीं तो बख्शा नहीं जाएगा।

इनका कहना है- सड़कों पर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा था, जिसके चलते यह कदम उठाया गया। शहर की व्यवस्था सुधारने के लिए भविष्य में भी इसी तरह के नियमित अभियान जारी रहेंगे। अभियान में कोतवाली पुलिस और यातायात विभाग का अमला भी तैनात रहा।

- मनीषा वास्कले,
एसडीएम-शाजापुर

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री के पदाधिकारियों की ली बैठक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में औद्योगिक इकाईयों के विभिन्न विषयों पर बैठक का आयोजन एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री कार्यालय औद्यागिक क्षेत्र देवास में हुआ। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक खंडेलिया, वाइस प्रेसिडेंट श्री ए.एस. खनूजा, एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ सहित एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री के सदस्यगण तथा औद्यागिक इकाईयों के प्रतिनिधि/सीईओ/ऑनर उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिन भी औद्यागिक इकाईयों में एलपीजी कनेक्शन हैं, उन कनेक्शनों को पीएनजी कनेक्शन में शिफ्ट करें। जहां पर कैंटिन का संचालन होता है वहां पीएनजी कनेक्शन लें। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आगामी दो माह बाद जिन क्षेत्रों से पीएनजी लाइन गई है, उन क्षेत्रों में एलपीजी की सप्लाई/टंकी प्रदान नहीं की जाएगी। इसलिए आप सभी इसकी तैयारी अभी से कर लें तथा अपने औद्यागिक इकाईयों में पीएनजी कनेक्शन ले लेंवे।

बैठक में कलेक्टर सिंह को एसोसिएशन अध्यक्ष श्री अशोक खंडेलिया ने विभिन्न कंपनियों की समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर सिंह ने कहा कि उद्योगों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मुद्दों पर समन्वय बनाकर जल्द ठोस निर्णय लिया जाए, ताकि देवास के औद्योगिक विकास में कोई बाधा न आए।

बैठक में नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने औद्योगिक इकाईयों में नगर निगम देवास की और से दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाईयों में आ रही दिक्कतों का निराकरण किया जाएगा।

जिले के सभी 240 उपार्जन केंद्रों पर उत्साह के साथ शुरू हुई गेहूं की खरीदी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले के सभी 240 उपार्जन केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य उत्साह और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों का सम्मान किया गया और तौल कांटों का पूजन किया गया।

जिला उपार्जन प्रभारी श्री आकाश चंदेल ने बताया कि 10 अप्रैल को शाम 05 बजे तक जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर 535 किसानों से 2247 मेट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। इसके साथ ही अभी तक जिले के कुल 19,339 किसानों ने स्लॉट बुक किया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया जा रहा है।

सांसद निधि से होगा डॉ. आंबेडकर भवन का जीर्णोद्धार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास में संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर के नाम से नगर निगम द्वारा संचालित सामुदायिक भवन डॉक्टर अंबेडकर मंगल भवन उपेक्षा का शिकार था। वैसे तो यह भवन गरीब और दलित वर्ग के लिए सस्ती दरों पर उपलब्ध होता था लेकिन विगत 2 वर्षों से जीर्ण शीर्ण होने के कारण इस भवन का उपयोग बंद कर दिया गया था।

पिछले वर्ष भी इस भवन के जीर्णोद्धार की मांग मध्यप्रदेश सफाई कर्मचारी संघ के संजय सांगते द्वारा उठाई गई थी लेकिन निगम बजट की कमी के कारण इसका जीर्णोद्धार नहीं हो पाया। इस वर्ष भी सांगते द्वारा अंबेडकर भवन के जीर्णोद्धार के लिए निगम आयुक्त को गुहार लगाई गई थी।

देवास शाजापुर क्षेत्र के यशस्वी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी को जब आंबेडकर मंगल भवन की दुर्दशा के बारे में पता चला तो उनके द्वारा तत्काल सांसद निधि से 10 लाख रूपये स्वीकृत किए गए ताकि दलित और गरीब वर्ग के लिए भी सस्ती दरों पर सामुदायिक भवन उपलब्ध हो सके। सांसद महोदय के द्वारा गरीब और दलित वर्ग के कल्याणार्थ आंबेडकर मंगल के जीर्णोद्धार के लिए राशि स्वीकृत करने पर संजय सांगते के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल द्वारा यशस्वी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी का स्वागत किया गया और संविधान के रचयिता डॉ बी आर अंबेडकर का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर रवि सांगते भय्या, आनंद सांगते, विक्की लाला बंजारे, राहुल भाटी सहित समाज के वरिष्ठ जन और शुभचिंतक उपस्थित रहे।

डॉ. मुकेश पांचाल वैकल्पिक चिकित्सक संघ देवास जिला अध्यक्ष नियुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वैकल्पिक चिकित्सक संघ भोपाल के प्रदेश महामंत्री डॉ. दीपक परसैया, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ भालचंद तिवारी , प्रदेश मंत्री अपूर्ण पौराणिक की अनुशंसा पर वैकल्पिक चिकित्सक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ .अभिमन्यु सिंह द्वारा देवास वैकल्पिक चिकित्सक संघ के जिला अध्यक्ष पद पर डॉ. मुकेश पांचाल को नियुक्त किया गया। रचनात्मक संगठन की नीति नियमों के साथ जिला संगठन की कार्यकारणी गठन एवं संगठन विस्तार को गति देने की आशा के साथ बधाई एवं शुभकामनाएं दी । नव नियुक्त वैकल्पिक चिकित्सक संघ जिला अध्यक्ष डॉ. मुकेश पांचाल ने संगठन को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले के अंतिम पंक्ति के अंतिम वैकल्पिक चिकित्सक को संगठन की नीति नियम की जानकारी देते हुए संगठन से जोड़ने की बात कही। डॉ. मुकेश पांचाल के जिला अध्यक्ष बनने पर डॉ. भालचंद तिवारी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं डॉ. अरविंद पौराणिक को प्रदेश मंत्री बनाने पर डॉ.जीपी यादव, डॉ. श्याम चौधरी, डॉ. उदय सिंह यादव, डॉ.हीरालाल जाट, डॉ. कमल यादव, डॉ.परितोष विश्वास, डॉ.मिहिर गोस्वामी, डॉ.प्रेम सागर चौहान, डॉ.विजय बेले डॉ. पवन मंडलोई, डॉ.रोहित मालवीय ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बगैर ई-टोकन के उर्वरक वितरण करने पर सेवा सहकारी संस्था कैलौद एवं चापड़ा को कारण बताओ नोटिस जारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन देवास द्वारा उर्वरक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त रुख अपनाया गया है। उपसंचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा सेवा सहकारी संस्था मर्यादित कैलौद एवं चापड़ा को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक वितरण न करने और शासन के निर्देशों की अवहेलना करने पर कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया है।

उपसंचालक कृषि ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 01 अप्रैल 2026 से शत-प्रतिशत उर्वरक वितरण ई-विकास प्रणाली ई-टोकन के माध्यम से किया जाना अनिवार्य है। विभाग द्वारा की गई समीक्षा में पाया गया कि संस्थाओं द्वारा उर्वरक का वितरण सीधे पीओएस मशीन से कर दिया गया। इसे शासन के आदेशों की खुली अवहेलना और उर्वरक वितरण में गंभीर लापरवाही माना है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को खाद वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या पोर्टल के उपयोग में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस ने दिया ज्ञापन, त्वरित कार्रवाई की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अत्याचार, अन्याय और असुरक्षा की घटनाओं को लेकर कांग्रेस संगठन हमेशा सक्रिय रहा है जिला कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ द्वारा पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि हाल के समय में घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दुष्कर्म, दहेज उत्पीड़न और साइबर अपराध की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिससे महिलाओं में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से इन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की अपेक्षा जताई।

ये रखी गई प्रमुख मांगें - महिलाओं से जुड़े लंबित मामलों का फास्ट ट्रैक कोर्ट में शीघ्र निपटारा।संवेदनशील क्षेत्रों, स्कूल-कॉलेज, बस स्टैंड और बाजारों में गश्त व महिला पुलिस की तैनाती बढ़ाना।महिला हेल्पलाइन 1091, 181 और 112 को 24*7 सक्रिय व जवाबदेह बनाना।गांव-गांव में जागरूकता अभियान, आत्मरक्षा प्रशिक्षण और गुड टच-बैड टच पर कार्यशालाएं।दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर कड़ी सजा सुनिश्चित करना। ज्ञापन देते हुए विश्वास जताया गया कि पुलिस अधीक्षक इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे। जिला कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती आशा वर्मा के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, कोषाध्यक्ष मनोज हेतावल,वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रवीण शर्मा, सादिक शेख, सुफिया खान, कविता वर्मा, माहिनूर कुरेशी, इरशाद खान,सादिक शेख निलेश वर्मा, सोहेल हसन खान,रवि देवड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

जिला परिवहन विभाग द्वारा 18 यात्री बसों पर कार्रवाई कर 62 हजार 500 रुपए का लगाया जुर्माना

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग द्वारा लगातार वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बसों एवं अन्य वाहनों में कमी या अनियितमताएं पाए जाने पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में परिवहन विभाग द्वारा यात्री बसों पर चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूल किया गया। जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि विभागीय जांच दल द्वारा देवास-भोपाल मार्ग पर यात्री वाहनों की जांच की गई। जिसमें जांच में यात्री बसों में सुरक्षा एवं सुविधा मानकों की सघन जांच की गई। चेकिंग अभियान में बसों के अंदर कई कमियां पाई गई, कुछ यात्री बसों में परमिट शर्तों का उल्लंघन पाया गया और परमिट को तय समय सीमा में न होना पाया गया। बसों में अग्निशमन यंत्र, मेडिकल बॉक्स, ओवरलोडिंग आदि की जांच की गई। बसों में कमी पाई जाने पर चालानी कार्रवाई करते हुए 18 बसों पर 62 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया। उन्होंने बताया कि आरटीओ जांच दल की चेकिंग एवं परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों पर चालानी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

शिक्षा व परिवहन मंत्री ने की स्कूल शिक्षा एवं परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने जिले में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले में किये जा रहे नवाचारों की प्रशंसा की। उन्होंने जिले में शिक्षा विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों, नए शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्य पुस्तक वितरण, साईकिल वितरण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की।

मंत्री श्री सिंह ने विद्यालयों में नामांकन संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने जिले के अच्छे शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने पर जोर दिया। परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा में मंत्री सिंह ने परिवहन अधिकारी को बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वाले चालकों को हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करने और हेलमेट लगाकर वाहन चलाने वालों का स्वागत करने के निर्देश दिये। उन्होंने विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर शिविर लगाकर विद्यार्थियों को यातायात नियमों के लिए जागरूक करने के निर्देश दिये। सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी ने कमजोर बच्चों की काउंसलिंग कर उन पर विशेष ध्यान देने और विभिन्न नई शैक्षणिक तकनीकों और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर विधायक अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डे,योगेन्द्र सिंह जादौन (बंटी बना), विजय सिंह बैस, पं. आशीष नागर, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र शिप्रे, प्रचार्य, जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर कार्यालय में उत्पात मचाने वाले 150 कांग्रेसियों पर मामला दर्ज

एक दिन पहले किसानों के नाम पर बेरीकेट तोड़कर जबरन घुसे थे कांग्रेसी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों के नाम पर कलेक्टर कार्यालय में उत्पात मचाने वाले 12 नामजद सहित 150 कांग्रेसियों के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इन लोगों ने कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट पर चढ़कर हंगामा मचाया था। वहीं बेरीकेटिंग को तोड़कर कलेक्टर कार्यालय में जबरन घुसे थे। इन लोगों ने कलेक्टर कक्ष के बाहर लगे चेनल गेट को भी क्षति पहुंचाकर जमकर उत्पात मचाया था।

यह मामला लालघाटी थाने में थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे की शिकायत पर दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले में एसपी ने टीआई को जवाब देने की बात कही है, तो वहीं कांग्रेस नेता आगे भी उग्र होने की बात कर रहे हैं। एसपी यशपाल सिंह राजपूत ने कांग्रेस के आंदोलन को देखते हुए 5 निरीक्षक, 4 उप निरीक्षक, 4 सहायक निरीक्षक, 10 प्रधान आरक्षक, 12 आरक्षक और 5 महिला आरक्षक सहित कुल 40 पुलिसकर्मी वहां मौजूद थे। इसके अलावा एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय, एसडीएम मनीषा वास्कले सहित प्रशासनिक अमला भी मौजूद था। इसके बाद भी दो गेट तोड़कर कांग्रेसी कलेक्टर कक्ष तक पहुंच गए और इन लोगों ने कलेक्टर कार्यालय में तोड़फोड़ भी की थी।

आज से शुरू होगी कांग्रेसियों की धरपकड़- लालघाटी पुलिस ने भीड़ का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेश्वरप्रताप सिंह, पूर्व विधायक कुणाल चौधरी, मनीष परमार, राधेश्याम मालवीय, सीताराम पवैया, जयंत सिकरवार, राजकुमार कराड़ा, इरशाद खान, इरशाद नागौरी, शकील वारसी, आशुतोष शर्मा, कमल चौधरी सहित 150 से अधिक कांग्रेसियों के खिलाफ धारा 223(ए),132,191(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। अभी तक किसी कांग्रेसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस शुक्रवार से धरपकड़ शुरू करेंगी।

यह था मामला- किसानों के नाम पर कांग्रेसियों को हंगामा करने का मौका मिल गया और इन लोगों ने उसे भुनाते हुए पहले तो शुरूआत धरना प्रदर्शन से की, जहां वरिष्ठ कांग्रेसियों ने पहले तो अपनी भड़ास निकाली। इसके बाद मुख्य द्वार पर चढ़कर उसे धक्का देकर जबरन कलेक्टर कार्यालय में घुस आए। कांग्रेसियों का कहना था कि कोई अधिकारी उनसे मिलने नहीं आया। जबकि जब कांग्रेसी ज्ञापन देने पहुंचे तो उस समय अधिकारी अपने काम में व्यस्त थे। इसी को लेकर कांग्रेसी कलेक्टर कार्यालय में घुसने का जबरन प्रयास करने लगे और जमकर उत्पात मचाया। इस पर पुलिस ने 12 नामदज सहित 150 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है, जिनकी गिरफ्तारी भी आज से शुरू होगी।

भारत की जनगणना 2027 के तहत 1 मई से 30 मई तक होगी संपादित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) का कार्य मध्यप्रदेश राज्य में 01 से 30 मई 2026 तक संपादित किया जाएगा। आगामी 16 से 30 अप्रैल 2026 के दौरान जनसामान्य द्वारा स्व-गणना की जाएगी। कार्य में जनजागरूकता एवं सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्थानों पर भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) एवं स्व गणना संबंधी प्रचार-प्रसार की गतिविधियाँ संचालित की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। यह घटना ग्राम मोहना जोड़ के समीप रात करीब 11 बजे हुई। मृतक की पहचान ग्राम गड़िया निवासी मेहरबान पिता आत्माराम बेलदार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मेहरबान अपनी बाइक से जा रहे थे। तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के कारण मेहरबान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

चोरी और मारपीट से भड़के बेगंदा के ग्रामीण

थाने का घेराव कर टीआई को सौंपा ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में बढ़ती चोरी और मारपीट की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया है। ग्राम बेगंदा के युवक भरत डामर के साथ हुई जानलेवा हमले और लूट की वारदात के पांच दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली होने से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को बदनावर थाने का घेराव किया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए थाना प्रभारी (टीआई) को ज्ञापन सौंपा और जल्द कार्रवाई की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बेगंदा निवासी भरत पिता राधेश्याम डामर के साथ 5 दिन पूर्व रात्रि में धमाना-बेगंदा मार्ग पर अज्ञात बदमाशों ने प्राणघातक हमला किया था। बदमाशों ने भरत के पास मौजूद 10,000 रुपये नकद और उसकी मोटरसाइकिल लूट ली थी। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस की कार्यशैली संतोषजनक नहीं रही है और न ही अब तक आरोपियों का कोई सुराग लग पाया है।

ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने निम्नलिखित मांगें रखी हैं - आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी- भरत डामर के हमलावरों को जल्द पकड़कर लूटी गई राशि और वाहन बरामद किया जाए। क्षेत्र में आए दिन हो रही चोरी और डकैती की घटनाओं को रोकने के लिए मध्य रात्रि में पुलिस की पेट्रोलिंग अनिवार्य की जाए। यदि ग्रामीण आत्मरक्षा में किसी संदिग्ध या अपराधी को पकड़ते हैं, तो उन पर कानूनी कार्रवाई न की जाए।

ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही न्याय नहीं मिला और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह शांतिपूर्ण आंदोलन आने वाले समय में उग्र रूप धारण कर सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा किसी बड़ी अनहोनी को जन्म दे सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

घेराव और ज्ञापन प्रदर्शन के दौरान रजनीश मालवीय (सरपंच प्रतिनिधि, खेरवास-बेगंदा), सुनील चौहान (जनपद सदस्य प्रतिनिधि), मोहनदास बैरागी (उपसरपंच प्रतिनिधि), गोविंद रघुवंशी (भाजपा मंडल अध्यक्ष), कृष्ण पंवार (एनएसयूआई जिला अध्यक्ष) के साथ बेगंदा सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने एक स्वर में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।

बड़ावदा नगर में गौ माता का विधिवत अंतिम संस्कार

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर में गौ माता के निधन के पश्चात श्रद्धा और सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर नगरवासियों ने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पाठ कर गौ माता को अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार के दौरान क्षेत्र के सामाजिक एवं धार्मिक लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संतोष जी पंवार, दिलीप जी मालीवाड तथा बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था के संस्थापक एवं रक्त मित्र प्रवीण व्यास विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने गौ माता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया तथा नगर में गौ सेवा के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर वातावरण भावुक और श्रद्धामय बना रहा।

आकांक्षी विकासखंड रामा में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आकांक्षी विकासखंड रामा में संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत 8वें पोषण पखवाड़ा 2026 एवं वीएचएसएनडी के दौरान गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान आकांक्षी विकासखंड फेलो सुश्री दीपिका गवली द्वारा उपस्थित हितग्राहियों को संतुलित आहार, एनीमिया से बचाव, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं संस्थागत प्रसव के महत्व के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही संपूर्णता अभियान 2.0 के प्रमुख संकेतांकों की जानकारी प्रदान की गई। पूरक पोषण आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों से उपलब्ध विभिन्न सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। तिरंगा आहार की अवधारणा को सरल भाषा में समझाते हुए संतुलित एवं पौष्टिक भोजन अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। विशेष स्वास्थ्य शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, वजन एवं हीमोग्लोबिन जांच, टीकाकरण तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। इसके साथ ही बच्चों का नियमित वजन एवं ऊंचाई मापन कर कुपोषण की स्थिति का आकलन किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पोषण, स्तनपान, पूरक आहार एवं स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर बीसीएम श्री कलमसिंह वसुनिया, आकांक्षी विकासखंड फेलो सुश्री दीपिका गवली, महिला बाल विकास सुपरवाइजर सुश्री किरण भाभर, एएनएम सुश्री संगीता सिसोदिया, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

RBI के नियमों पर बदनावर के बैंकों का तालाः गार्ड नदारद, जुर्माना भारी, फिर भी जिम्मेदार बेपरवाह

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अगर आप योग या ध्यान के लिए किसी शांत जगह की तलाश में हैं, तो बदनावर के एटीएम बूथों से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। यहाँ की शांति इतनी गहरी है कि आपको नोट गिनने वाली मशीन की कराह तक सुनाई नहीं देगी। शहर के एटीएम इन दिनों पैसे देने के लिए नहीं, बल्कि राहगीरों को आउट ऑफ सर्विस का बोर्ड दिखाकर मानसिक मजबूती प्रदान करने के लिए जाने जा रहे हैं।

नगर के बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम ने तो आलस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पिछले दो महीनों से यह एटीएम ऐसी गहरी निद्रा में है कि मोहल्ले वाले अब इसके शटर पर अगरबत्ती लगाने की सोच रहे हैं। सुना है कि इस एटीएम के अंदर के जाले इतने मजबूत हो चुके हैं कि अब वे चोरों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरे से ज्यादा सुरक्षित हैं। बैंक वाले शायद यह सोचकर खुश हैं कि–ना रहेगा कैश, ना मचेगा कैश-कैश!

रिजर्व बैंक के नियम कहते हैं कि एटीएम पर गार्ड होना चाहिए ताकि ग्राहक खुद को सुरक्षित महसूस करे। लेकिन बदनावर में तो गार्ड सिर्फ भगवान है! बैंकों ने शायद आत्मनिर्भर भारत का गलत मतलब निकाल लिया है– अपना पैसा खुद ढूंढो और अपनी सुरक्षा खुद करो। नियमों की डायरी में साफ़ लिखा है जुर्माना। अगर महीने में 10 घंटे से ज्यादा एटीएम बंद रहा, तो बैंक को 10,000 रुपये का दंड भरना पड़ेगा। बदनावर के एटीएम की हालत देखकर तो ऐसा लगता है कि आरबीआई के जुर्माने से ही देश का सारा कर्ज उतर जाएगा! एसी इसलिए होता है ताकि मशीन ठंडी रहे, लेकिन यहाँ तो एसी सिर्फ इसलिए चलता है ताकि बैंक मैनेजर का कोई जान-पहचान वाला थोड़ी देर पसीना सुखा सके।

आजकल बदनावर के युवाओं की सेहत का राज जिम नहीं, बल्कि यहाँ के एटीएम हैं। एक पैसे निकालने के लिए आदमी पहले बैंक ऑफ इंडिया जाता है, वहाँ से मायूस होकर एसबीआई दौड़ता है, फिर एक्सिस, एचडीएफसी और आईसीआईसी के चक्कर लगाता है। शाम तक पैसा तो नहीं निकलता, लेकिन आदमी की 500 कैलोरी जरूर बर्न हो जाती है।

नगर के बुद्धिजीवियों का कहना है कि अगर इन मशीनों से पैसा नहीं निकलना है, तो बैंक प्रबंधकों को चाहिए कि इनके अंदर गोलगप्पे या पोहे-जलेबी रखवा दें। कम से कम जनता का पेट तो भरेगा! दो महीने से बंद पड़ा एटीएम बैंक की कार्यक्षमता पर एक करारा तमाचा है। बैंक मैनेजर साहब इससे पहले कि जनता आपके बैंक के सामने भजन-कीर्तन शुरू कर दे, इन मशीनों में तेल-पानी (कैश) डाल दीजिए। वरना वो दिन दूर नहीं जब लोग एटीएम के शटर पर लापता का पोस्टर चिपका देंगे और नीचे आपका मोबाइल नंबर लिख देंगे !

पश्चिम क्षेत्र में प्रकृति की गोद में, विश्व शांति के लिए महामंत्र णमोकार की आराधना हुईं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व णमोकार दिवस के अवसर पर विश्व के लगभग सभी देशों में एक समय में एक साथ सार्वभौमिक मंत्र णमोकार की आराधना प्रातः कालीन बैला में सम्पन्न हुई। देश में तो लगभग हर गांव, नगर, शहर में यह मंत्र गुंजा इस मंगल भावना के साथ की विश्व में शांति की स्थापना हो सभी का मंगल हो, सभी में भाईचारा बड़े। इसी तारतम्य में पश्चिमी क्षेत्र में समर्थ सिटी के पार्श्‌वनाथ जिनालय के श्रद्धालु ने भी महामंत्र की आराधना की। उक्त जानकारी देते हुए वर्द्‌धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी एवं जिनालय प्रमुख शैलेश चंदेरिया ने बताया कि यह आराधना बिल्कुल शांत वातावरण में प्रकृति की गोद में समर्थ डायमंड सिटी के पार्क में बैठ कर की गई। जिसमें कई धर्मानुरागी महिला पुरुष ने भाग लिया।

बदनावर नगर परिषद की बड़ी सौगात...

अध्यक्ष टोल-फ्री नंबर और एकल खिड़की प्रणाली का होगा शुभारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव के नेतृत्व में नगर के विकास और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है। आगामी 13 अप्रैल 2026 को बदनावर नगर परिषद द्वारा अध्यक्ष टोल-फ्री नंबर एवं एकल खिड़की प्रणाली का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

नगर परिषद द्वारा जारी टोल-फ्री नंबर 07295-232085 पर कॉल करके नागरिक अपनी मूलभूत समस्याओं जैसे सफाई, जलप्रदाय, प्रकाश व्यवस्था आदि की शिकायत दर्ज करा सकेंगे। साथ ही, एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिल सकेगा। इन योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ - प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आयुष्मान कार्ड, विभिन्न पेंशन योजनाएं एवं संबल कार्ड, नामांतरण, निर्माण अनुमति एवं भवन संनिर्माण कर्मकार योजना, सफाई और पेयजल से जुड़ी शिकायतों का त्वरित निराकरण।

शुभारंभ अवसर पर नगर में विभिन्न विकास कार्यों और सेवा कार्यक्रमों की शुरुआत भी की जाएगी। पर्यावरण संरक्षण हेतु वार्ड क्रमांक 15 (रामसेतु डेम) स्थित सीता वाटिका पर वृहद पौधारोपण। जल संरक्षण हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ और विभिन्न वार्डों में जल मंदिर की स्थापना। वही वार्ड क्रमांक 01 में इन्द्रेश महादेव वाटिका गार्डन का भूमिपूजन एवं वर्षा ऋतु के पूर्व बड़े नालों की सफाई के लिए सेवा पखवाड़ा स्वच्छता अभियान व सम्पूर्ण शहर में नए पेयजल नल स्टैंडों का शुभारंभ होगा ।

अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव ने बताया कि विभिन्न वार्डों में वार्ड-वार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से परिषद के अधिकारी और कर्मचारी सीधे जनता के बीच पहुंचेंगे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित करने के लिए प्रेरित करेंगे। नगर परिषद अध्यक्ष ने समस्त पार्षदों, एल्डरमेन, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि वे 13 अप्रैल को आयोजित इस शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं। साथ ही, आम नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे टोल-फ्री नंबर 07295-232085 का उपयोग कर शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

खजुरिया में 10 लाख की लागत से बने टीन शेड का लोकार्पण संपन्न

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत खजुरिया में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अधोसंरचना योजना के अंतर्गत निर्मित टीन शेड का लोकार्पण शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इस निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी।

लोकार्पण कार्यक्रम में आलोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. चिंतामणी मालवीय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है और इस प्रकार के निर्माण कार्य ग्रामीण विकास को गति प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती लालाबाई एवं श्री शम्भुलाल चन्द्रवंशी (अध्यक्ष, जिला पंचायत रतलाम), श्रीमती रुकमणीबाई हेमराज हाड़ा (अध्यक्ष, जनपद पंचायत जावरा) मौजूद रहीं।

इसके साथ ही कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि नगर परिषद बड़ावदा सुरेंद्र काकांणी, विधायक प्रतिनिधि मंडी समरथ पाटीदार, नगर परिषद बड़ावदा एल्डरमैन मनोज जोशी, एल्डरमैन सोहन जादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह दादू एवं हेमराज जी हांडा राजेश काकाणी दिनेश पौराणिक युवराज सिंह चौहान ईश्वर लाल सेन मनोहर राठौड़ प्रवीण व्यास पंकज बोरीवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत खजुरिया की सरपंच श्रीमती कलाकुँवर बनेसिंह सोलंकी, श्रीमती धापूबाई एवं पुरुषीलाल टेलर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने टीन शेड का फीता काटकर लोकार्पण किया और ग्रामीणों को इस सुविधा के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने इस निर्माण कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

स्कूल में छात्र की मौत पर प्रशासन सख्त, प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित विद्यालय प्रबंधन पर कार्रवाई शुरू कर दी है। अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) सुसनेर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, एक छात्र की मृत्यु के मामले में विद्यालय के प्राचार्य को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 अप्रैल 2026 को विद्यालय परिसर में हुई घटना में कक्षा चौथी के एक छात्र की जान चली गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विद्यालय परिसर में मधुमक्खियों के हमले के दौरान छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक रही। घटना के समय न तो पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए थे और न ही समय पर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। एसडीएम द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि विद्यालय परिसर एवं खेल मैदान के आसपास मधुमक्खियों के छत्तों की जानकारी होने के बावजूद उन्हें हटाने या सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। इसके अलावा, आपात स्थिति से निपटने के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था या सुरक्षा दल भी मौजूद नहीं था, जो कि गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि घटना के तुरंत बाद घायल छात्र को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने में भी देरी हुई, जिससे उसकी स्थिति और बिगड़ गई। प्रशासन ने इसे जीवन सुरक्षा मानकों का उल्लंघन माना है। प्राचार्य को निर्देश दिए गए हैं कि वे 24 घंटे के भीतर स्वयं उपस्थित होकर या लिखित रूप में अपना जवाब प्रस्तुत करें। यदि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जाता है, तो संबंधित के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। अभिभावकों ने विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष की कमान किसके हाथ, जय सूर्या के राजनैतिक कद ने बढ़ाया विरोधियों का ब्लड प्रेशर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब पूरे जिले की निगाहें धार युवामोर्चा जिलाध्यक्ष की ताजपोशी पर टिक गई हैं। लेकिन इस बार की चुनावी बिसात पिछली बार जैसी सरल नहीं है। गलियारों में चर्चा है कि इस बार युवामोर्चा जिलाध्यक्ष वही बनेगा, जिस पर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष जय सूर्या की कृपा होगी। राजनीति के जानकारों की मानें तो जिले की युवा राजनीति में इस समय सूर्या का वर्चस्व अपने चरम पर है, जिसे भेद पाना विरोधियों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

दो दिन पूर्व जय सूर्या के बदनावर आगमन पर जो नज़ारा दिखा, उसने जिले के सियासी समीकरणों को साफ़ कर दिया है। सूर्या के स्वागत में निकली ऐतिहासिक रैली मात्र एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि दावेदारों का शक्ति परीक्षण भी था। पूरे धार जिले से आए संभावित उम्मीदवारों ने सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ जय सूर्या के सामने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। युवाओं का यह हुजूम गवाही दे रहा था कि जिले की युवा राजनीति का केंद्र फिलहाल बदनावर बना हुआ है। हर दावेदार सूर्या को साधने की जुगत में लगा है, क्योंकि सबको पता है कि प्रदेश नेतृत्व तक जाने वाला रास्ता सूर्या के समर्थन से होकर ही गुजरता है।

धार जिले के विशाल भौगोलिक क्षेत्रफल को देखते हुए भाजपा ने पहले ही धार ग्रामीण और धार शहरी के रूप में दो जिलाध्यक्ष बनाए हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या युवा मोर्चा में भी यही विभाजन फार्मूला लागू होगा? यदि जिले के दो भाग होते हैं, तो जय सूर्या का प्रभाव और बढ़ सकता है, लेकिन यदि एक ही पद रहा, तो जंग और भी तीखी होगी।

जय सूर्या के बढ़ते कद से जिले के पुराने धुरंधर और सूर्या विरोधी खेमा अंदर ही अंदर सुलग रहा है। विरोधी गुट कतई नहीं चाहता कि जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर सूर्या की पसंद का कोई युवा चेहरा बैठे। पर्दे के पीछे से घेराबंदी शुरू हो चुकी है ताकि सूर्या के दबदबे को कम किया जा सके। राजनीति के इस शतरंज में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या जय सूर्या अपने घोर विरोधियों को मात देकर अपनी पसंद के मोहरे को जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा पाते हैं, या विरोधी इस बार सूर्या के रथ को रोकने में कामयाब होंगे।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष की नियुक्ति सिर्फ एक पद की नहीं, बल्कि साख की लड़ाई बन चुकी है। जय सूर्या के लिए यह अपनी ताकत साबित करने का सुनहरा मौका है, वहीं विरोधियों के लिए यह वजूद बचाने की जंग। फिलहाल, राजधानी भोपाल से लेकर धार के गलियारों तक सिर्फ एक ही सवाल गूँज रहा है सूर्या का सितारा चमकेगा या विरोधियों की रणनीति रंग लाएगी।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषण आहार किट का वितरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी रोग के उन्मूलन हेतु जिले में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पारा में टीबी रोगियों को पोषण आहार किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 12 टीबी रोगियों को निक्षय मित्र के रूप में सहयोग प्रदान करते हुए पोषण आहार किट वितरित की गई।

कृषि उपज मंडी जावरा में समरथ पाटीदार बने विधायक प्रतिनिधि

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी जावरा में जनहित कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विधायक प्रतिनिधि की नियुक्ति की गई है। आलोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने श्री समरथ पाटीदार को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

जारी पत्र के अनुसार, श्री समरथ पाटीदार (पिता श्री मोहनलाल पाटीदार), निवासी सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड नंबर 7, कस्बा बड़ावदा, तहसील जावरा को कृषि उपज मंडी जावरा, जिला रतलाम से संबंधित गतिविधियों के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विधायक डॉ. मालवीय ने निर्देश दिए हैं कि उनकी अनुपस्थिति में श्री पाटीदार मंडी से जुड़े विभागीय बैठकों एवं विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर उनका प्रतिनिधित्व करेंगे तथा जनहित से जुड़े कार्यों के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस नियुक्ति से क्षेत्र के किसानों एवं मंडी से जुड़े लोगों को बेहतर समन्वय और सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम में शांतिलाल पाटीदार महेंद्रसिंह दादू बना शंभू लाल चंद्रवंशी हेमराज हाडा सोहन लाल जादव मनोज जोशी सुरेंद्र काकाणी राजेश काकाणी दिनेश पौराणिक प्रवीण व्यास पवन पाटीदार ईश्वर लाल सेन महेश सोडाणी अनिल अजमेरा फतेहराम धाकड़ आदि मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे साथ ही कृषि उपज मंडी के तुलावटी संघ ने भी स्वागत किया एवं समस्या से अवगत कराया विधायक जी तत्काल संबंधित अधिकारी से बात की कार्यक्रम का संचालन पत्रकार दिनेश पौराणिक ने किया एवं आभार नव नियुक्त विधायक प्रतिनिधि सम्राट पाटीदार ने माना।

NAME CHANGE

It is to bring kind Notice to the people that my daughter previous name was **Ayanshi D/O Dharmendra Choudhary** now has been changed to **Ayanshi Choudhary D/O Dharmendra Choudhary** there fore in future my daughter will be known by her new name only **Ayanshi Choudhary.**

ADDRESS :- H.No. 85, Babu chouk, gram Tarana, Dist. Ujjain M.P. Pin code 456665Mob. No. 9840116247

तपस्वियों को भावपूर्ण निमंत्रण, शहर में होगा भव्य सम्मान समारोह

नागदा परिवार करेगा बहुमान, नवकार सोशल ग्रुप के बैनर तले आयोजन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में धर्म, सेवा और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। पूर्ण हो रहे 13 माह कि कठिन वर्षीतप तपस्या में लीन तपस्वियों के सम्मान में एक भव्य समारोह दिनांक 13 अप्रेल सोमवार रात्री 8 बजे से जैन पार्श्वप्रधान पाठशाला मे आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर तपस्वियों को घर-घर जाकर श्रद्धा और भाव के साथ निमंत्रण प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम की विशेषताएं- लाभार्थी स्व. श्री मन्नालाल, राजमल एवं सुभाष नागदा की धर्म भावना के अनुरूप मधु, सुभाष एवं ऋषभ नागदा परिवार द्वारा तपस्वियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य बहुमान किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में त्याग, तपस्या एवं आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

आयोजक संस्था- यह आयोजन नवकार सोशल ग्रुप के बैनर तले संपन्न होगा। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राजेश सकलेचा, अध्यक्ष प्रथम कांठेड़ एवं सचिव शुभम सकलेचा ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। वर्षीतप पूर्ण करने वाले आराधकों के सम्मान में दिलीप सिसोदिया दिलबर द्वारा भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

13 तपस्वी 13 तारीख - वर्षीतप पूर्ण हो रहे जिनके 13 तपस्वी है इनका बहुमान भी 13 तारीख को हो रहा है यह एक योग संयोग ही कहा जा सकता है

धार्मिक वातावरण रहेगा आकर्षण का केंद्र- समारोह के दौरान भक्ति संगीतमय प्रस्तुतियां, स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से ओत-प्रोत रहेगा।

सभी से सहभागिता की अपील- कार्यक्रम संयोजक शरद जैन, अमित बम, दीपक गांग, कमलेश नागदा, सिद्धार्थ कांठेड़,हर्षित नागदा,समाजसेवी रवि कांठेड, राजा कर्नावट, दिपक जैन चोरडिया,सुरेन्द्र काकरिया, मनीष चपलोत, श्रेणीक बम, सदिप चपलोत, राजेन्द्र जैन, जीवन लाल जैन ने सकल जैन श्रीसंघ के धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुण्य अवसर का लाभ लेने की अपील की है।

पोषण पखवाड़ा-2026 गर्भवती माताओं को बताए पौष्टिक आहार के लाभ

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्भवती अवस्था में संतुलित और पोषक आहार का क्या महत्व है, यह जानकारी पोषण पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत वार्ड-10 स्थित कोटेश्वर कॉलोनी व वार्ड-9 स्थित रंगियाना मोहल्ला में आयोजित किए गए विशेष स्वास्थ्य शिविर में माताओं को दी गई। माताओं को बताया गया कि पोषक आहार गर्भवस्था के दौरान बेहद आवश्यक है। इसके साथ ही शिशु को 6 माह तक माता के दूध का सेवन कराया जाना चाहिए, जिससे शिशु का बेहतर विकास हो सके। पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इसमें माताओं एवं बहनों को गर्भवस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि गर्भवस्था के दौरान माताएं भारी वजन नहीं उठाएं। साथ ही नियमित रूप से पौष्टिक आहार लें, जिससे गर्भवस्था के दौरान शिशु स्वस्थ्य रहे। माताओं को गर्भवस्था के दौरान नियमित रूप से आयरन की गोलियों का सेवन करने की सलाह दी गई जिससे माताओं में खून की कमी नहीं हो। इसके साथ ही माताओं को यह जानकारी भी दी गई कि गर्भवस्था के दौरान उन्हें किन-किन सब्जियों, फलों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। साथ ही बताया कि शिशु के जन्म के 6 माह तक दूध का सेवन कराया जाए। 6 माह के उपरांत बच्चे को दूध के साथ ऊपरी आहार का नियमित रूप से सेवन कराने की शपथ दिलवाई गई। साथ ही माताओं को टी.टी के टीके लगवाने, साफ-सफाई के साथ शिशुओं को पौष्टिक आहार देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें बताया गया कि शिशुओं के मस्तिष्क का 90 प्रतिशत भाग प्रारम्भ के तीन वर्षों में विकसित होता है, इसलिए बच्चों के खान-पान का विशेष ध्यान रखें। कार्यशाला में विविध व्यंजनों से युक्त पोषण प्रदर्शिनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्री मनोज कुमार गुप्ता, परियोजना शहर-1 ग्वालियर, पर्यवेक्षक साधना शर्मा, साविता शिरोमणि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं व जनसमुदाय उपस्थित था।

सिकल सेल एनिमिया के तहत लगाया गया विशेष शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिकल सेल एनिमिया मुक्त भारत अभियान अंतर्गत कलेक्टर जिला बडवानी के विशेष मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सिकल सुरक्षा अभियान के तहत् पेशन, उपचार और सहारा-हर मरीज का अधिकार अभियान अंतर्गत सिविल अस्पताल सेंधवा पर 10 अप्रैल 2020 को सिकल सेल शिविर का आयोजन किया गया। विकासखण्ड में पीओसीटी जाच में रिएक्टिव पाये गये मरीजो की प्रमाणिक इलेक्ट्रोफोरेसिस जांच हेतु रक्त नमुना माह मार्च एव अप्रैल में संग्रहित कर जिला स्तर पर भेजे गये।

प्रमाणिक जांच में 50 प्रतिशत से अधिक सिकलसेल सकारात्मक पाये गये मरीजो को शासन स्तर से हितलाभ प्रदायगी हेतु सिकल सेल शिविर का आयोजन 10 अप्रैल को सिविल अस्पताल सेंधवा प्रांगण में किया जाकर सिकलसेल उन्मुलन कार्यक्रम अन्तर्गत सिकलसेल एनिमिया से ग्रसित मरीजों के चिन्हाकन एवं उन्हें दिव्यागता प्रमाण पत्र युडीआईडी एवं उपचार, टीका प्रदाय किया गया। युडीआईडी एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु जिला मेडिकल बोर्ड सिविल अस्पताल सेंधवा पर उपस्थित रहा, उनकी उपस्थिती में मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं युडीआईडी कार्ड प्रदाय किये गये। सिविल अस्पताल सेंधवा में आयोजित सिकल सुरक्षा अभियान एवं सिकल सेल उन्मुलन कार्यक्रम अन्तर्गत सिकल सेल विशेष शिविर में कुल 211 मरीज उपस्थित हुऐ जिनमें नये 98 व्यक्तियों की पीओसीटी जांच की गई, पीओसीटी जांच में कुल 65 मरीज रिऐक्टिव पाये गये।

रिऐक्टिव मरीजो का रक्त नमुना प्रमाणिक जांच इलेक्ट्रोफोरेसिस किये जाने हेतु संग्रहित किया गया। साथ ही शिविर में उपस्थित मरीजों में से 40 मरीजों को न्युमोकोकल वेक्सिन का प्रथम डोज 15 को प्रदान किया गया तथा 25 मरीजो को न्युमोकोकल वेक्सिन का द्वितीय डोज प्रदान किया गया। इसके साथ ही 50 मरीजो के आभा आईडी निर्मित किये गये, जिला स्तरीय जिला मेडिकल बोर्ड जिला बडवानी द्वारा 61 मरीजो को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाकर वितरित किये गये एवं मरीजो की युडीआईडी निर्मित किये जाने हेतु आवश्यक दस्तावेज जिले पर भेजे गये । साथ ही सिकलसेल सकारात्मक नये मरीजो को पेंशन योजना अन्तर्गत पंजीबद्ध किया जाकर 109 गरीजो का पेंशन योजना हेतु चिन्हांकन एवं दस्तावेजो का संकलन किया गया, साथ ही 155 मरीजो का हाईड्रोक्सियुरिया एवं फोलिक एसिड की दवाई से उपचार किया गया। आयुष विभाग सेधवा द्वारा भी 12 मरीजो का आयुर्वेदिक औषधियों के माध्यम से उपचार किया गया ।

नए नगर परिषद भवन का आज लोकार्पण, मंत्रियों का दौरा तय

लोकार्पण से पहले धार्मिक अनुष्ठान, आज जुटेंगे बड़े जनप्रतिनिधि

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डग रोड स्थित नगर परिषद सुसनेर के नवीन भवन के लोकार्पण को लेकर नगर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। आज शनिवार को आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के मंत्री नागर सिंह चौहान एवं सांसद रोडमल नागर द्वारा नए भवन का लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। लोकार्पण से एक दिन पूर्व शुक्रवार को नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी के नेतृत्व में भवन परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री गणेश पूजन के साथ हुई, जिसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां दी गईं। धार्मिक वातावरण के बीच सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। शनिवार को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के पश्चात स्थानीय सब्जी मंडी परिसर में एक आमसभा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं को लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा संबोधन दिया जाएगा।

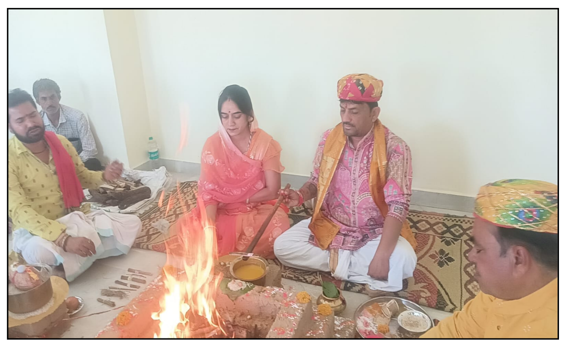

मंत्री नागर सिंह चौहान के निर्धारित दौरे के अनुसार वे सुबह 9 बजे इंदौर से आगर-मालवा के लिए रवाना होंगे और 11:30 बजे सर्किट हाउस पहुंचकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 2:20 बजे बड़ौद चौराहे से पाल रोड तक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे और 2:45 बजे सुसनेर के लिए प्रस्थान करेंगे। वे दोपहर 3:15 बजे सुसनेर पहुंचकर नगर परिषद भवन का लोकार्पण करेंगे।

वहीं नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12 बजे इंदौर से प्रस्थान कर 2:30 बजे आगर-मालवा पहुंचेंगे तथा इसके पश्चात सुसनेर आकर लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मंत्रियों के दौरे को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, पार्किंग, यातायात एवं सुरक्षा जैसी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया है। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

नगर परिषद के नए भवन के लोकार्पण को सुसनेर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे नगरवासियों को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं मिल सकेंगी और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी। नगर में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है और लोग इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए उत्सुक हैं।

अंबेडबर जयंती के उपलक्ष्य में 14 अप्रैल तक होंगे विभिन्न आयोजन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंच सके इसके लिए कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही विकासखण्ड स्तरीय शिविर सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत व मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

यह आयोजन होंगे- बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में चार दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 10 अप्रैल को हॉस्टल, स्कूल, कॉलेज, आंगनबाडी में सफाई अभियान चलाया जावेगा।11 अप्रेल को जनपद पंचायत डबरा एवं भितरवार में व 13 अप्रैल को जनपद पंचायत मुरार एवं घाटीगांव में शिविर आयोजित कर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित कराया जाएगा। साथ ही योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 12 अप्रैल को समस्त हॉस्टल में साफ सफाई व जल संरक्षण की गतिविधियां होंगी । साथ ही आवासीय विद्यालयों में श्रमदान कर वृक्षारोपण, खेलकूद गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 14 अप्रैल को जिला स्तरीय शिविर बाल भवन में आयोजित किया जाएगा। साथ ही जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी 16 अप्रैल को ओंकारेश्वर में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ओंकारेश्वर में आगामी 16 अप्रैल को दोपहर 3:30 बजे सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि समीक्षा बैठक में आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिन योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा प्रभारी मंत्री श्री लोधी करेंगे उनमें ओंकार पर्वत परिक्रमा पथ कार्य की प्रगति, शंकराचार्य गुफा के सौंदर्यीकरण कार्य, ममलेश्वर लोक के निर्माण, अद्वैत लोक कार्य की प्रगति, ओंकारेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन व्यवस्थाओं का प्रबंधन, ओंकारेश्वर में सड़कों के निर्माण की प्रगति, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की प्रगति, ओंकारेश्वर में साफ-सफाई और प्लास्टिक प्रबंधन की कार्ययोजना पर चर्चा, वाहन पार्किंग व्यवस्था, घाटो की साफ-सफाई व्यवस्था, ट्रेंचिंग ग्राउण्ड की व्यवस्था ओंकारेश्वर से मोरटक्का सड़क की प्रगति, वृक्षारोपण, मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण की स्थिति, ओंकारेश्वर में घाटो के निर्माण आदी।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद शुरू होते ही खिले किसानों के चेहरे : लक्ष्मणसिंह कांवल मार्केटिंग अध्यक्ष

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीदी की औपचारिक शुरुआत तौल कांटों के विधिवत पूजन और किसानों के फूल-माला से स्वागत के साथ हुई है। इस अवसर पर सुसनेर मार्केटिंग द्वारा उमरिया रोड़ पर आरसी वेयरहाउस पर भी जिला पंचायत सदस्य कालुसिंह गणेशपुरा के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉक्टर सौरभ जैन के विशिष्ट आतिथ्य में तथा मार्केटिंग अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह कॉंवल की अध्यक्षता में तोल कांटे के पूजन के साथ गेहूं की खरीदारी प्रारंभ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मार्केटिंग अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह कॉंवल ने कहा कि गेहूं की समर्थन मूल्य खरीदी शुरू होते ही किसानों के चेहरों पर राहत साफ नजर आने लगी। लंबे समय से कम दाम और मंडियों की मजबूरी झेल रहे किसान अब अपनी फसल का सही मूल्य मिलने की उम्मीद से उत्साहित हैं, जिससे पूरे इलाके में खुशी का माहौल बन गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सौरभ जैन ने कहा कि सुसनेर क्षेत्र के किसानों के लिए शुक्रवार का दिन किसी त्योहार से कम नहीं रहा। लंबे इंतजार, मंडियों की मार और कम दाम की मजबूरी से जूझ रहे किसानों को आखिरकार राहत मिल ही गई। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू होते ही किसानों के चेहरे खिल उठे और अब भाजपा की मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली किसान हितैषी सरकार में अन्नदाता किसान भाइयों को अपनी मेहनत का सही मूल्य मिलेगा।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाजपा मंडल महामंत्री लखन सेन एवं कालुसिंह चौहान, पूर्व सरपंच देवीसिंह सिसोदिया, पूर्व पार्षद अंशुल जैन, भगवानसिंह आदि थे। अतिथियों का स्वागत प्रबंधक दिनेश राठौर ने किया। सभी अतिथियों द्वारा तोल कांटे के पूजन एवं किसानों को हारफूल माला पहनाकर गेहूं खरीदी की विधिवत शुरुआत की।

योगा ग्रुप ने शिवकुंज में रखें पक्षियों के लिए अन्न जल पात्र शिवकुंज योगा ग्रुप पांच वर्ष से निरंतर जैव विविधता संरक्षण का कर रहा है कार्य

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी की तपिश को देखते हुए प्रतिवर्ष शिवकुंज योगा ग्रुप विगत 5 वर्ष से शिवकुंज पर्यावरणीय पाठशाला में पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं। इसी कड़ी में आज शिवकुंज योगा ग्रुप के सदस्यों ने पक्षियों के लिए अन्न एवं जल पात्र रखें तथा उसमें नियमित जल भरने की भी व्यवस्था सदस्यों द्वारा की गई।

शिवकुंज योगा ग्रुप के संयोजक श्री लव कुमरावत एवं सक्रिय सदस्य श्री हीरा यादव, श्री दीपक अग्रवाल श्री संदीप मुकाती, श्री अंशुल महाजन, श्री संजय सुगंधी, श्री आशीष जोशी, श्री सचिन दुबे ने बताया कि अभी हमने पक्षियों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की है अगले चरण में पशुओं के लिए भी जल संचय कुंड का सफाई अभियान चलाया जाएगा तथा जल भराव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। शिवकुंज योगा ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य श्री दीपक अग्रवाल ने बताया हमारा प्रयास है कि हमारे इकोसिस्टम में हम अपनी ओर से थोड़ा भी योगदान दे पाए तो यह हमारे जीवन की सार्थकता होगी तथा नई पीढ़ी के लिए एक व्यवस्था भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा यहां हम चींटी एवं कीड़े मकोड़े के लिए भी खाद्य सामग्री प्रातः काल विभिन्न स्थानों पर रखते हैं जिससे कि वह भी यहां आनंद से जीवन निर्वाह करें तथा हमें भी प्रकृति और विभिन्न जीवों के बीच रहने का सानिध्य प्राप्त हो सके। योगा ग्रुप के सदस्य बताते हैं कि आसपास बस्ती होने के बावजूद शिव कुंज विभिन्न वन प्राणियों के लिए एक सुरक्षित स्थान है इसलिए यहां पर समय-समय पर विभिन्न वन्य जीव देखे जाते हैं तथा कोबरा स्नेक्स भी बड़ी संख्या में यहां पर विचरण करते है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने उचित मूल्य की दुकान आंगनबाड़ी और जल संरचनाओं का निरीक्षण किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने शुक्रवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा के साथ पंधाना विकासखंड के ग्राम पिपलोद खास, बाघमला और आरूद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आरूद गांव के पुराने तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण की ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए तालाब का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित पटवारी को तालाब की भूमि का सीमांकन करने तथा उपयंत्री को ग्राम के इस प्राचीन तालाब की फेंसिंग, गहरीकरण, पिचिंग एवं सौंदर्यीकरण कार्य का प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे भी उपस्थित थीं।

तालाब के निरीक्षण के बाद कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत भवन आरूद में सर्वाइकल कैंसर हेतु टीका लगवाने वाली बालिकाओं से चर्चा की और उन्हें टीकाकरण के प्रमाण पत्र भी वितरित किए । इसके अलावा कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम बाघमला में उचित मूल्य दुकान तथा आंगनबाड़ी का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पिपलोद खास में जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत ग्राम में जनसहभागिता से निर्मित जल संरक्षण संरचनाओं का निरीक्षण किया गया साथ ही इन संरचनाओं के फोटोग्राफ पोर्टल पर अपलोड करने के कार्य का भी निरीक्षण किया।

सुसनेर में आज टिन शेड सब्जी मंडी का शुभारंभ, 65 दुकानों का आवंटन

हाथ ठेला व्यापारियों को भी मिलेगी व्यवस्थित जगह

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थित सब्जी मंडी की समस्या का आज समाधान होने जा रहा है। शनिवार को टिन शेड में विकसित नई सब्जी मंडी का शुभारंभ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान एवं सांसद रोडमल नागर के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा।

इस आयोजन को लेकर नगर परिषद और प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं नगरवासियों में भी इस नई व्यवस्था को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम नगर परिषद के नवीन भवन का लोकार्पण किया जाएगा। इसके पश्चात सभी अतिथि टिन शेड स्थित सब्जी मंडी पहुंचेंगे जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ मंडी का शुभारंभ किया जाएगा और आमसभा का आयोजन भी होगा। इस दौरान जनप्रतिनिधि शहर के विकास से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी अपने विचार रखेंगे। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने पदभार संभालने के साथ ही शहर की प्रमुख समस्याओं को प्राथमिकता में रखा, जिनमें सब्जी मंडी की अव्यवस्था सबसे अहम थी। वर्षों से मुख्य मार्ग पर लग रही मंडी के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती थी। जिससे आमजन, व्यापारियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई बार शिकायतें होने के बावजूद इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया था। अब टिन शेड में मंडी शिफ्ट होने से इस समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। सब्जी मंडी को व्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाने के लिए कुल 65 दुकानों का आवंटन किया गया है। जिससे स्थायी विक्रेताओं को निश्चित स्थान मिल सके। इसके साथ ही हाथ ठेला लगाने वाले छोटे व्यापारियों के लिए भी अलग से स्थान निर्धारित किया गया है, ताकि वे भी व्यवस्थित तरीके से अपना व्यवसाय कर सकें और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। यह व्यवस्था छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

मंडी परिसर में व्यापारियों और ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए पर्याप्त लाइट, पंखे और पेयजल की व्यवस्था की गई है। साथ ही साफ-सफाई, सुरक्षा और यातायात नियंत्रण को लेकर भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। जिससे यहां आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंत्रीगण के दौरे को लेकर एक दिन पूर्व शुक्रवार को भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय ने स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं एसडीएम किरण वरवड़े ने भी हाथी दरवाजा क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए थे। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया सहित बड़ी संख्या में पार्षद, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

नगरवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि नई सब्जी मंडी से शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, बाजार क्षेत्र में सुव्यवस्था स्थापित होगी और व्यापारियों को बेहतर वातावरण में व्यापार करने का अवसर मिलेगा। यह कदम सुसनेर के शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बालक भागीरथ के निधन पर शोक व्यक्त किया

22 घंटे से अधिक चले रेस्क्यू के बाद बोरवेल में फंसे 3 वर्षीय मासूम बालक भागीरथ को बाहर निकाला जा सका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बालक भागीरथ की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है, उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। साथ ही मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। ज्ञात हो कि बड़नगर तहसील के ग्राम झलारिया में विगत देर शाम को राजस्थान के पाली में रहने वाले प्रवीण देवासी का दो वर्षीय पुत्र भागीरथ खेलते हुए खेत पर बने खुले बोरवेल में गिर कर करीब 60 फीट की गहराई में जाकर फंस गया था।

जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रशासन की टीमों ने मौके पर रेस्क्यू अभियान शुरू किया था।

गुरुवार रात करीब 9ः00 बजे से युद्ध स्तर पर जारी रेस्क्यू ऑपरेशन शुक्रवार शाम 6 बजे तक जारी रहा। इस दौरान एसडीईआरएफ के जवान बोरवेल में फंसे बच्चे को निकालने के लिए मशक्कत करते रहे। वहीं भोपाल से एनडीईआरएफ की टीम भी रेस्क्यू के लिए झलारिया गांव पहुंच गई। कई बार के लगातार प्रयास के बाद शुक्रवार शाम 6 बजे बच्चे को बोरवेल से मृत अवस्था में बाहर निकाला जा सका।

गुरुवार रात में घटना की सूचना मिलने के बाद से ही कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और एसपी श्री प्रदीप शर्मा, अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट सहित प्रशासनिक विभाग के अधिकारी मेडिकल टीम के सदस्य, पुलिस पुलिस बल, क्यूआरएफ की टीम के साथ ही मौके पर दो एंबुलेंस भी तैयार रखी गई थी।

कलेक्टर श्री सिंह और एसपी श्री शर्मा गुरुवार रात से लेकर शुक्रवार शाम तक रेस्क्यू आपरेशन के दौरान मौके पर मौजूद रहे। बड़नगर तहसील के ग्राम झलारिया गांव में दो वर्षीय मासूम भागीरथ को बोरवेल से निकालने के लिए रेस्क्यू टीम द्वारा बोरिंग में रस्सी और लोहे की राड डालकर बच्चे को ऊपर लाने के कई प्रयास किए गए, लेकिन हर बार कुछ ना कुछ परेशानी के कारण बोरिंग के होल से बच्चे को बाहर नहीं लाया जा सका।

रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ बोरिंग होल के समानांतर सुरंग खोदने का काम भी पांच जेसीबी और पोकलेन मशीनों के माध्यम से किया जा रहा था। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश के बाद सुरंग खोदने का काम तेजी से शुरू किया गया।

कलेक्टर श्री सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा रात भर जागते रहे- कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह के घटना मौके पर पहुंचने के बाद युद्ध स्तर पर रेस्क्यू अभियान शुरू हो गया।

कलेक्टर श्री सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा के मार्गदर्शन में सभी निर्माण एजेंसियों की मशीनों और उनके इंजीनियरों को तत्काल बड़नगर बुलाया गया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। ऑपरेशन शुरू होने के पहले एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के अधिकारियों से चर्चा भी की गई और व्यवस्थित प्लान बनाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ।

जिले की सभी मशीनरी को बुलाकर सुरंग खोदने की कार्रवाई भी शुरू की गई और इसी के साथ एसडीआरएफ की टीम के द्वारा बच्चे को बोरवेल से निकालने के दूसरे प्रयास भी जारी रहे। इसके साथ ही बोरवेल में बच्चे को जीवित रखने के लिए ऑक्सीजन सप्लाई भी लगातार की जाती रही थी।

बोरवेल में पानी अधिक होने के कारण समस्या हो रही थीं। कई बार रस्सी और अन्य यंत्रों से प्रयास करने के बाद भी बच्चे को निकालने के प्रयास सफल नहीं हो पा रहे थे। इसके साथ ही सुरंग की खुदाई भी जारी थी।

इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने भी मौके पर उपस्थित रहकर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए सुरंग के रास्ते जल्दी बच्चे को बाहर लाने के लिए रेस्क्यू टीम के सदस्यों का मार्गदर्शन करते रहे। बच्चे के बोरवेल में गिरने की खबर के बाद से ही घटनास्थल पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की भीड़ लगी रही। क्षेत्रीय विधायक श्री जितेंद्र पंड्या भी मौके पर मौजूद रहे।

देर शाम को जगी उम्मीद, सांस थाम कर अधिकारी और लोग डटे रहे- मासूम भागीरथ को बोरवेल में से निकालने के लिए चल रहे रेस्क्यू के दौरान बोरवेल से पानी की मोटर निकालने वाले उपकरणों की सहायता से बोरवेल में फंसे बच्चे को रस्सी के सहारे एक बार फिर बोरवेल से बाहर लाने की कवायद शुरू हुई। मशीन के सहारे धीरे-धीरे बच्चों को ऊपर लाने के प्रयास सफल होता देख समानांतर सुरंग खोदने के लिए लगी जेसीबी और पोकलेन मशीन को बंद करवा कर मशीन के सहारे बिल्कुल धीरे-धीरे बच्चे को बाहर निकाला गया।

जागरूकता कार्यक्रम में उज्जैन के संयुक्त प्रयासों से 35 छात्रों को मिला रोजगार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अभिनव पहल के तहत पीएनजी कनेक्शन वितरण में तेजी लाने एवं स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय संभागीय आईटीआई उज्जैन और अवंतिका गैस लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को Utkarshujjain.com (उत्कर्ष उज्जैन) पोर्टल का उपयोग करने और उत्कर्ष उज्जैन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर रोजगार प्राप्त करने के बारे मे जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आईटीआई के छात्रों को अवंतिका गैस लिमिटेड के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना तथा गैस सेक्टर में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में आईटीआई उज्जैन के लगभग 82 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने छात्रों को गैस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों, कार्य की प्रकृति एवं करियर विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में ही लगभग 35 छात्रों ने अवंतिका गैस लिमिटेड के साथ कार्य करने के लिए सहमति प्रदान की, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है।

हिरासत में जानलेवा हमले का 2 आरोपी, 1 फरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंवासा थाना क्षेत्र के गरोठ मार्ग नीमनवासा में सोमवार रात पुराने विवाद में शुभम पिता सुन्दरलाल 24 साल नीमनवासा और बंटी पिता सदन महतो 21 साल निवासी पांड्याखेड़ी पर लक्ष्मण लौहार, सुरेन्द्र लौहार और बादल ने चाकू, पत्थर से हमला कर दिया था। शुभम चाकू के गहरे घाव लगने पर गंभीर घायल हो गया था। बंटी को पत्थर से चोंट लगी थी। दोनों को आधी रात उपचार के लिये चरक अस्पताल में भर्ती किया गया था। मामले में पंवासा थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की थी। हमले में शामिल सुरेन्द्र लौहार और बादल सोलंकी को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ कर उनके एक फरार साथी की जानकारी जुटाई जा रही है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराने वाले संजय मालवीय ने बताया कि दोनों घायल आरो प्लांट पर काम करते है। रात में गरोठ रोड से प्लांट बंद कर लौट रहे थे। वहीं पुलिस का कहना था कि घायल और हमलावरों के बीच 2 दिन पहले विवाद हुआ था। उस वक्त मामला शांत करा दिया गया था। रात में हुए विवाद के दौरान सुरेन्द्र को भी चोंट आई थी। जिसका अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया था।

युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार सुबह पिता कमरे में पहुंचे तो पुत्र को मृत अवस्था में पाया। अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने जहर खाने की आशंका जताई। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची जहां से सल्फास का पाउच बरामद हुआ। मामले में मर्ग कायम कर मृतक युवक का पोस्टमार्टम कराया गया है।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि नागातलाई क्षेत्र में रहने वाले मोहित पिता गब्बाजी बंजारा 30 साल को सुबह परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां उसकी मौत होने पर अस्पताल की ओर से सूचना दी गई। मामले में मर्ग कायम कर पुलिस घटना स्थल पहुंची। जहां से सल्फास का पाउच बरामद हुआ। घटना स्थल की जांच के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मृतक का पोस्टमार्टम करवाया। परिजनों ने बताया कि मोहित ईंट भट्टे पर काम करता था। उसकी शादी हो चुकी थी लेकिन काफी समय पहले पत्नी छोड़कर चली गई थी। मोहित ने जहर खाकर आत्महत्या क्यों की इसकी वजह पता नहीं है। पुलिस के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जाएगा।

पंचकोशी यात्रा, 2 दिन पहले ही उज्जैन पहुंचे श्रद्धालु

12 अप्रैल से 118 किमी की पवित्र यात्रा शुरू, हर साल 2-3 लाख श्रद्धालु लेते हैं भाग; नागचंद्रेश्वर मंदिर से होती है शुरुआत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन में 118 किलोमीटर लंबी पंचकोशी यात्रा 12 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रही है, लेकिन श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। यात्रा शुरू होने से दो दिन पहले ही शुक्रवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु शहर पहुंचने लगे थे।

पंचकोशी यात्रा की शुरुआत नागचंद्रेश्वर मंदिर से होती है, जहां श्रद्धालु नारियल अर्पित कर भगवान से यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण करने की शक्ति मांगते हैं। परंपरा और आस्था से जुड़ी यह यात्रा हर वर्ष लाखों लोगों को आकर्षित करती है।

जानकारी के अनुसार, हर साल करीब 2 से 3 लाख श्रद्धालु इस यात्रा में भाग लेते हैं। इस बार भी इंदौर, बडनगर, इंगोरिया सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। इनमें कई श्रद्धालु पहली बार यात्रा कर रहे हैं, जबकि कई वर्षों से यह परंपरा निभाते आ रहे हैं। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की आस्था और समर्पण भी देखने लायक है। करौंदिया गांव से परिवार के साथ आई मनीषा भाटी ने बताया कि वे पहली बार इस यात्रा में शामिल हो रही हैं, जबकि उनकी दादी पूर्व में यह यात्रा कर चुकी हैं। वहीं राज कुंवर बाई पिछले तीन वर्षों से लगातार पंचकोशी यात्रा कर रही हैं और इस बार भी अपनी बहनों के साथ अलग-अलग गांवों से पहुंचकर यात्रा में शामिल हुई हैं। बांसवाड़ा गांव से आई रता बाई ने बताया कि उन्हें चलने में थोड़ी परेशानी होती है, फिर भी वे धीरे-धीरे पूरी यात्रा करती हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु समूह में चलते हैं और जहां भी रुकते हैं, वहीं भोजन बनाते हैं। भोजन में दाल-रोटी और चावल प्रमुख रूप से शामिल रहता है।श्रद्धालु पूरी तैयारी के साथ यात्रा पर निकल रहे हैं। श्याम कुंवर के अनुसार वे घर से घी, आटा, दाल, कपड़े और आवश्यक सामग्री साथ लेकर आए हैं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।पंचकोशी यात्रा को लेकर उज्जैन में धार्मिक माहौल बन चुका है। शहर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ ही व्यवस्थाएं भी सक्रिय हो गई हैं, जिससे यह आस्था यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

बिजली कनेक्शन में मनमानी फीस का खेल, तय राशि से ज्यादा वसूली के आरोप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में नए बिजली कनेक्शन के नाम पर अव्यवस्था और मनमानी वसूली का मामला सामने आया है। बिजली कंपनी द्वारा सर्वे रिपोर्ट तैयार करने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क निर्धारित नहीं होने के बावजूद उपभोक्ताओं से 200 से 500 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। अलग-अलग जोन में अलग-अलग राशि लिए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

जानकारी के अनुसार, शहर के विभिन्न जोन कार्यालयों में नए कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से अनौपचारिक रूप से राशि वसूली जा रही है। घरेलू सिंगल फेज कनेक्शन के लिए निर्धारित शुल्क करीब 2961 रुपए है, जिसमें सर्वे रिपोर्ट तैयार करना भी शामिल है। इसके बावजूद कई मामलों में उपभोक्ताओं से 3500 रुपए तक लिए जा रहे हैं, जबकि उन्हें रसीद केवल तय शुल्क की ही दी जा रही है। वहीं व्यावसायिक सिंगल फेज कनेक्शन के लिए निर्धारित शुल्क 3921 रुपए है, लेकिन उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनसे 4600 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। इस संबंध में उपभोक्ताओं का कहना है कि नियामक आयोग द्वारा तय शुल्क से अधिक राशि लेना नियमों के विरुद्ध है और इस पर कार्रवाई होना चाहिए। इधर स्मार्ट मीटर को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। कई उपभोक्ताओं के यहां महीनों तक स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा रहे हैं, जबकि शपथ पत्र की राशि भी अलग-अलग ली जा रही है। कहीं 500 तो कहीं 1000 रुपए तक लिए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, बिल जमा नहीं होने पर स्मार्ट मीटर से सप्लाई स्वतः बंद हो जाती है और दोबारा चालू कराने के लिए 340 रुपए जमा करने के बाद भी उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इससे आमजन को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जंगल में छुपा कर रखी थी बदमाशों ने चुराई जेसीबी, एक गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घट्टिया तहसील के ग्राम बच्चूखेड़ा से 7-8 अप्रैल की रात चोरी हुई जेसीबी को पुलिस ने चंद घंटों में ग्राम गुनाई के जंगल से बरामद कर ली। एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। उसके चार साथियों की तलाश जारी है। घट्टिया तहसील के पानबिहार चौकी क्षेत्र के ग्राम बच्चूखेड़ा में अजित अग्रवाल के फार्म हाऊस पर बने गोडाउन के बाहर खड़ी जेसीबी मंगलवार-बुधवार रात 1 बजे अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गये थे। जेसीबी चोरी होने पर मामले की शिकायत संतोष पिता भीमसिंह राठौर ने पानबिहार चौकी प्रभारी जयंत डामोर को दर्ज कराई। प्रभारी ने टीम के साथ जेसीबी चोरी करने वालों की तलाश शुरू की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। जिसमें चार से पांच बदमाशों की भूमिका सामने आई। बदमाशों को ट्रेस कर उनके भागने वाले रूट पर सर्चिंग शुरू की गई। इस दौरान ग्राम गुनाई के जंगल से जेसीबी को बरामद कर लिया गया। चोरी में शामिल गोपाल पिता दयाराम बंजारा निवासी ग्राम काथला सिहोर को हिरासत में लिया गया। जिससे पूछताछ में पता चला कि उसके साथ चोरी में राहुल बंजारा, मोहन बंजारा निवासी ग्राम घूंसर हाटपिपलिया और 2 अन्य साथी शामिल थे। पुलिस टीम ने उनकी तलाश की लेकिन फरार होना सामने आये। गुरूवार को हिरासत में आये आरोपी गोपाल को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया। उससे पूछताछ कर फरार साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि लेनदेन के विवाद में जेसीबी चोरी को अंजाम दिया गया था।

जहांगीरपुर में पलटा ट्रैक्टर चालक की हुई मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में ट्रैक्टर पलटने पर चालक नीचे दब गया। ग्रामीणों की मदद से उसे निकाला गया। लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर मामले की जांच शुरू की है।

इंगोरिया के ग्राम मुरार खेड़ी में रहने वाला लखन पिता शंकरलाल धानक 28 साल जहांगीरपुर में नारायण के खेत पर काम करता था। रात में ट्रैक्टर चलाते समय संतुलन बिगड़ने पर ट्रैक्टर पलट गया जिसके नीचे लखन दब गया। ग्रामीणों को घटना का पता चला तो उसे ट्रैक्टर के नीचे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान खेत मालिक नारायण का कहना था कि लखन पैदल जा रहा था इस दौरान ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया था अस्पताल लाने पर उसकी मौत हो गई, थाना प्रभारी दीपेश व्यास के अनुसार घटना ट्रैक्टर चलाते समय पलटने पर चालक के नीचे दबने से मौत होना सामने आया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। ग्रामीणों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

70 हजार घरों में अटकी पीएनजी की लौ, प्रशासन के निर्देशों के बावजूद गैस पाइपलाइन विस्तार धीमा, एक चौथाई शहर तक ही सीमित नेटवर्क

उज्जैन। शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का सपना अब भी अधूरा है। करीब 70 हजार घरों में गैस कनेक्शन का इंतजार लंबा होता जा रहा है। हालात यह हैं कि शहर के बड़े हिस्से में अब तक गैस पाइपलाइन ही नहीं पहुंच पाई है, और जहां लाइन बिछ चुकी है वहां भी कनेक्शन की रफ्तार बेहद धीमी है।

प्रशासन ने पीएनजी विस्तार को लेकर सरकारी संस्थानों से शुरुआत जरूर की, लेकिन जमीनी स्तर पर काम की गति उम्मीद के मुताबिक नहीं है। शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों जैसे हाटकेश्वर विहार, गोपाल मंदिर और पुराने शहर के हिस्सों में योजना की शुरुआत तो हुई, मगर अधिकांश इलाकों में अब तक पाइपलाइन नहीं डाली गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि तय समय में लक्ष्य कैसे पूरा होगा।

सिर्फ एक चौथाई शहर तक सीमित पहुंच- जानकारी के अनुसार गैस कंपनी अब तक शहर के लगभग एक चौथाई हिस्से में ही पाइपलाइन बिछा पाई है। फ्रीगंज, देवास रोड और कुछ अन्य क्षेत्रों में काम हुआ है, लेकिन नागदा रोड और इंदौर रोड जैसे बड़े आवासीय क्षेत्रों में अभी भी काम अधूरा है। पुराने घनी आबादी वाले इलाकों में भी पाइपलाइन बिछाने की चुनौती बनी हुई है।

लक्ष्य बड़ा, उपलब्धि छोटी- जिला प्रशासन ने पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया था, लेकिन वर्तमान स्थिति में केवल 400 से 500 नए कनेक्शन ही हो पाए हैं। गैस कंपनियों का कहना है कि जहां पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

तकनीकी अड़चनें और जागरूकता की कमी- शहर की भौगोलिक स्थिति और नदी-नालों की मौजूदगी पाइपलाइन बिछाने में बड़ी बाधा बन रही है। कई जगह खुदाई और कनेक्शन कार्य में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, जिससे काम की गति प्रभावित हो रही है। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में लाइन पहुंच चुकी है, वहां भी लोगों में जागरूकता की कमी के कारण कनेक्शन लेने की गति धीमी है।

एलपीजी की पकड़ अभी मजबूत- शहर में एलपीजी गैस का नेटवर्क पहले से मजबूत है और करीब 20 से अधिक एजेंसियां घरेलू सिलेंडर की आपूर्ति कर रही हैं। ऐसे में अधिकांश परिवार अभी भी सिलेंडर पर ही निर्भर हैं, जिससे पीएनजी की ओर बदलाव की रफ्तार सुस्त बनी हुई है।

छत्रीचौक पानी की टंकी डिस्मेंटल कर चौराहे की मार्किंग का कार्य किया जाए - आयुक्त अभिलाष मिश्रा

आयुक्त ने किया चौड़ीकरण कार्यो का निरीक्षण, चौराहा निर्माण हेतु मार्किंग कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए प्रचलित चौड़ीकरण कार्यो को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्व पूर्ण किये जाने हेतु निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा नियमित रूप से निरिक्षण किया जाकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किये जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त द्वारा शुक्रवार को तेलीवाड़ा चौराहा, छत्रीचौक पानी की टंकी चौराहा, ढाबारोड़ केडी गेट से खजूरवाली मस्जिद रोड़ पर पहुंचकर चौड़ीकरण के कार्यो का निरीक्षण किया गया।

आयुक्त द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चौड़ीकरण अन्तर्गत चिन्हित धार्मिक स्थलों के विस्थापन हेतु स्थानीय रहवासियों एवं संचालकों से सम्पर्क कर विस्थापन की कार्यवाही की जाए, तेलीवाड़ा चौराहा विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु मंदिर को विस्थापित किये जाने की कार्यवाही स्थानीय रहवासियों से चर्चा कर की जाकर मार्किंग कार्य पूर्ण किया जाए।

आयुक्त द्वारा छत्रीचौक पानी की टंकी पहुंचकर टंकी डिस्मेंटल कार्य का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया गया कि डिस्मेंटल के बाद चौराहा मार्किंग का कार्य पूर्ण करें। ढाबारोड़ से दानीगेट तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए गिराउ भवनों को हटाए जाने, शेष नाली निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने, जिन स्थानों पर पानी भरा हुआ है वहा सीवर क्लीनिंग मशीन से पानी खाली किये जाने कि निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

निगम आयुक्त द्वारा केडी गेट से खजूर वाली मस्जिद पर प्रगतिरत चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण में निगम आयुक्त द्वारा पोल शिफ्टिंग के पश्चात लाइन को कनेक्ट करने एवं मार्ग में सीआरएम कार्य के पश्चात डीएलसी कार्य के निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री श्री हिमांशु तिवारी, प्रभारी कार्यपालन यंत्री श्री साहिल मैदावाला, सहायक यंत्री श्री डी एस परिहार, भवन अधिकारी श्री राजकुमार राठौर, उपयंत्री श्री राजेंद्र रावत एवं सम्बन्धित कार्य के ठेकेदार मौजूद रहे।

अटल एवं मयूर उद्यान को व्यवस्थित करने के साथ ही तरणताल को भी आमजन के लिए शीघ्र ही प्रारंभ किया जाए - शिवेंद्र तिवारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरवासियों की सुविधा के लिए नगर निगम द्वारा तरणताल का पुनर्निर्माण करवाया गया है। उसे आमजन की सुविधा एवं उनकी मांग पर शीघ्र ही प्रारंभ करवाया जाए। साथ ही अटल उद्यान एवं मयूर उद्यान हमारे शहर के बड़े और व्यवस्थित उद्यान है इनका भी उचित रख रखाव किया जाना अनिवार्य है। इन उद्यान में जो-जो भी कमियां हैं उन्हें शीघ्र ही पूरा किया जाए।

यह निर्देश नगर निगम लोक निर्माण एवं उद्यान विभाग के प्रभारी श्री शिवेंद्र तिवारी ने कोठी रोड स्थित अटल उद्यान, मयूर उद्यान एवं पुनर्निमित तरणताल के निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को दिये। श्री तिवारी ने अटल उद्यान के निरीक्षण के दौरान वहां पर साफ सफाई नहीं होने एवं गुलाब उद्यान के सूख जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सात दिवस में उक्त उद्यान की जो व्यवस्था है उसे दुरुस्त करें साथ ही पानी की व्यवस्था के लिए खराब मोटर को एवं यहां पर प्रकाश व्यवस्था को भी ठीक करवाने के निर्देश दिए। श्री तिवारी ने मयूर उद्यान का निरीक्षण करते हुए कहा कि यह उद्यान जो पहले विक्रम वाटिका के नाम से जाना जाता था हमारे शहर की शान हुआ करता था। अब स्मार्ट सिटी द्वारा इसे मयूर उद्यान के नाम से विकसित किया गया है। उक्त उद्यान नगर निगम को हैंडोवर हुआ है कि नहीं, यह पता लगाते हुए यहां पर व्यवस्थाओं को व्यवस्थित किया जाना जरूरी है। श्री तिवारी ने उक्त उद्यान में पानी की व्यवस्था नहीं होने एवं वायर फेंसिंग टूटी होने की वजह से उद्यान में सुअरों के विचरण करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उक्त उद्यान की वायर फेंसिंग ठीक करवाए साथ ही उक्त उद्यान को सुरक्षित करें एवं स्मार्ट सिटी से जो पत्राचार किया जा कर वह भी अवगत करवाऐ।

श्री तिवारी ने तरणताल स्थित नगर निगम के स्विमिंग पूल का भी निरीक्षण किया उक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल का नगर निगम द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया है जिसका शुभारंभ प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ यादव के निर्देशानुसार सात दिवस तक स्विमिंग पूल आमजान की सुविधा व उपयोग के लिए निःशुल्क रखा गया था। तत्पश्चात उद्यान तरणताल में ताले लगे हुए हैं। श्री तिवारी ने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए एवं गर्मी में इस स्विमिंग पूल की महती आवश्यकता है इसलिए शीघ्र ही प्रारंभ करने की कार्रवाई की जाऐ। यहां चर्चा में बताया कि उक्त स्विमिंग पूल को खुद चलाने व निजी हाथों में देने की भी तैयारी है। श्री तिवारी ने कहा कि जो भी निर्णय लिया जाना है उस पर शीघ्र ही अमल हो ताकि आमजन की सुविधा के लिए इसे प्रारंभ करवाया जा सके। निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी जितेंद्र सिंह जादौन, उपयंत्री पूजा जायसवाल सहित अन्य उपस्थित लोग थे।